हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 31 मई 2026

तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

10 चल रहे विकास कार्यों में कोताही बिल्कुल...

10 मेडिकल कॉलेज की भर्तियों में हैबतपुर....

खबर संक्षेप

युवक को बहाने से बुला तेजधार हथियार से हमला

जींद। गांव अंटा में नाबालिग को बहाने से बुला कर कुछ युवकों ने तेजधार हथियार व डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपितों ने युवक की बाइक भी तोड़ डाली। सदर थाना सफीदों पुलिस ने घायल युवक के चाचा की शिकायत पर पांच युवकों को नामजद कर छह अन्य के खिलाफ जानलेवा हमला करने, मारपीट करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोटरसाइकिल चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने बाइक चोरी के 3 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान कालवन निवासी विक्रम, अजय तथा गांव नारायणगढ़ निवासी निर्मल के रूप में हुई है। थाना गढ़ी प्रभारी उप निरीक्षक दिलबाग सिंह ने बताया कि हरीगढ़ गेला संगरूर (पंजाब) निवासी दर्शन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह कार्यवश गांव कालवन आया था। उसने बाइक कालवान में स्थित शीतला माता मंदिर के सामने खड़ी की थी। कुछ समय बाद वहां नही मिली। लाश भी की। दर्शन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

पांच वर्ष से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

जींद। उचाना थाना पुलिस ने भेड़ लूट की वारदात में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। उचाना थाना प्रभारी पीएसआई चंद्रपाल ने बताया कि थाना उचाना में शिकायत कर्ता गांव जोधपुर राजस्थान निवासी रामसिंह ने लगभग पांच वर्ष पहले पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी भेड़ों को चराने के लिए हरियाणा के गांव बुडायन क्षेत्र में आया हुआ था।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर से युवती लापता

कैथल। चौका के गांव से 23 साल की युवती संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। युवती के दादा ने पुलिस को शिकायत देकर आरोप लगाया है कि एक युवक ने उनकी पोती को विदेश बुलाने का लालच दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पोती 28 मई को दोपहर करीब 3:10 बजे बिना किसी को बताए घर से चली गई। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार घायल

कैथल। शहर के जाखौली अड्डा पर जींद रोड पुल के पास ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी एक टांग टूट गई। जबकि छाती और पसलियों में भी गंभीर चोटें आई हैं। घायल का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। सिटी थाना पुलिस ने घायल की शिकायत के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव थेह खरक निवासी दलजीत सिंह ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में कार्यरत है और प्रतिदिन बाइक से गांव से कैथल आता-जाता है।

फायरिंग के मामले में असला सप्लायर काबू

कैथल। 19 फरवरी रात जखौली अड्डा स्थित शराब ठेके के सामने फायरिंग के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई राममेहर की टीम द्वारा करते आरोपी माजरी मोहला शाहाबाद कुरुक्षेत्र निवासी रमन उर्फ कलशी को काबू कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अमित निवासी बलराज नगर की शिकायत अनुसार 19 फरवरी रात अमित उसके साथी जनकपुरी कॉलोनी कैथल निवासी राहुल के साथ जखोली अड्डा ठेके पर गया।

जींद की बेटी मीनाक्षी ने जुलाना की विधायक विनेश को अखाड़े में दी मात

एशियन गेम्स ट्रायल्स: 2019 में पैर में चोट से छह माह से अधिक बिस्तर पर रही, पर हार नहीं मानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में शनिवार को एशियन गेम्स 2026 के चयन को लेकर आयोजित किए गए ट्रायल्स के 53 किलोग्राम भार वर्ग में जुलाना की विधायक एवं ओलंपियन विनेश फौगाट को जींद की ही पहलवान मीनाक्षी गोयत ने सेमीफाइनल मुकाबले में ओलिंपियन विनेश फोगाट को 6-4 से मात दी। मीनाक्षी गोयत जींद की बेटी हैं जबकि विनोश फोगाट की शादी जींद के गांव बख्ता खेड़ा में हुई है। एशियाई खेलों की ट्रायल को लेकर चाबरी गांव में उत्साह का महौल था। मीनाक्षी तीन भाई, बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए परिवार जींद से सोनीपत शिफ्ट हो गया था। मीनाक्षी के पिता प्रेम सोनीपत में डेयरी चलाते हैं और परिवार का खर्च उठाने के साथ-साथ उनकी डाइट और ट्रेनिंग का भी पूरा ध्यान रखते हैं। खेल के साथ-साथ मीनाक्षी ने पढ़ाई भी जारी रखी और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से बीए की डिग्री हासिल की। मीनाक्षी के पिता प्रेम गोयत ने कहा कि बेटी मीनाक्षी को बचपन से ही कुश्ती का शौक था। रेसलर जॉन सीना उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं। टीवी पर उन्हें देखकर ही उन्होंने कुश्ती सीखने का फैसला किया और महज 10 साल की उम्र में ट्रेनिंग शुरू कर दी। शुरुआत में मीनाक्षी को जींद के गांव निडानी स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिला दिलाया गया था। जहां से उसके कुश्ती करियर की नींव पड़ी। मीनाक्षी की जिंदगी में बड़ा झटका तब लगा जब उनकी मां को कैंसर हो गया। परिवार मुश्किल दौर से गुजर रहा था लेकिन इसी दौरान मीनाक्षी ने अखाड़े में रहकर लगातार अभ्यास जारी रखा। मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2016 में सब जूनियर नेशनल में गोल्ड मेडल तथा 2018 में जूनियर राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की। साल 2019 में अंडर 23 राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान एक मुकाबले में फिसलने से उनके पैर में गंभीर चोट लग गई। चोट इतनी गंभीर थी कि डॉक्टरों ने कहा था कि उनके लिए सामान्य रूप से चलना भी मुश्किल हो सकता है। मीनाक्षी छह महीने से अधिक समय तक बिस्तर पर रहीं। इस दौरान दूसरे खिलाड़ियों को मेडल जीतते देखकर वह निराश भी हुईं। हालांकि मीनाक्षी ने हिम्मत नहीं हारी। चोट से उबरने के बाद उन्होंने दोबारा ट्रेनिंग शुरू की। वजन कम किया और वापसी की तैयारी में जुट गईं।

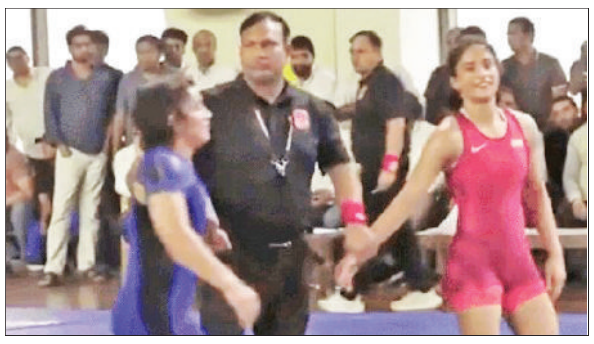
मुकाबला के दौरान खेलते मीनाक्षी।

पिछले माह सिल्वर मेडल जीता

मीनाक्षी ने पिछले महीने सीनियर एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। नेशनल लेवल पर दो बार चैंपियन बनने का रिकॉर्ड भी बना चुकी हैं। मीनाक्षी ने ट्रायल्स में भारत की स्टार रेसलर और दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता, ओलंपियन अंतिम पंघाल को हराकर भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

कौन हैं मीनाक्षी गोयत

मीनाक्षी गोयत भारत की उभरती हुई फ्रीस्टाइल रेसलर हैं। जो 53 केजी वेट कैटेगिरी में खेलती हैं। 25 साल की इस रेसलर ने पिछले कुछ समय में कई प्रतियोगिताओं में ध्यान आकर्षण किया है। मार्च 2026 में मीनाक्षी गोयत ने नेशनल ट्रायल्स में दो बार की विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट अंतिम पंघाल को हराया था।

प्रैक्टिस के लिए परिवार जींद से सोनीपत शिफ्ट

विनेश ने दो बाउट जीत कर बनाई जगह, हारी

पेरिस ओलिंपिक 2024 के बाद मैट पर उतरी ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट एशियन गेम्स के लिए ट्रायल के 53 किलो भार वर्ग में दो बाउट जीत कर सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन वो मीनाक्षी से हार गई। विनेश का पहला मुकाबला हिसार की ज्योति से हुआ। जिसमें उन्होंने ज्योति को 7-1 से हराया। ज्योति जूनियर वर्ल्ड कप की गोल्ड मेडलिस्ट रह चुकी हैं। विनेश का दूसरा मुकाबला जींद की ही नीशू से हुआ। जिसे उन्होंने 7-6 से जीता। दूसरा मुकाबला दो बार रुका। शुरूआत में नीशू ने विनेश को पटखनी देकर पांच प्वायंट हासिल किए। इसके बाद वापसी करते हुए विनेश ने नीशू को पटखनी देकर चार पॉइंट बटोरे। इस दौरान रेफरी से विनेश और उनके पति सोमबीर राठी की कहासुनी हो गई। आपत्ति के बाद मैच थोड़ी देर के लिए रोका गया। इसके बाद शुरू हुए मुकाबले में विनेश ने शानदार पटकनी देते हुए बढ़त बनाई। विनेश के छह और नीशू के पांच प्वायंट हो गए थे। अंतिम 59 सेकेंड में मुकाबला 6-6 की बराबरी पर आ गया। जिसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संजय सिंह मैट पर पहुंच गए। आखिरी अंक के लिए नीशू ने चुनौती दी लेकिन मैट चेयरमैन और जज ने नीशू की चुनौती को खारिज करते हुए लास्ट प्वायंट नही दिया। इसके बाद रेफरी ने विनेश को 7-6 से विजेता घोषित किया।

गांव धड़ौली की चार दिन से बिजली गुल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

बिजली समस्या को लेकर जींद सफीदों सड़क पर लगाया जाम

करीब दो घंटे तक बाधित रहा मार्ग, यात्री और चालक परेशान

निगम के अधिकारियों के आश्वासन पर माने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव धड़ौली के ग्रामीणों से बिजली समस्या से परेशान होकर शनिवार दोपहर को जींद-सफीदों मार्ग पर पिल्लूखेड़ा पावर हाउस के सामने जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना पाकर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस तथा बिजली निगम के जेई मौके पर पहुंच गए और चार दिन मे समस्या का समाधान का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। लगभग दो घंटे लगे जाम के कारण यात्रियों तथा वाहन चालको को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गांव धड़ौली के ग्रामीणों का शनिवार को उस समय सब्र का बांध टूट गया जब गांव में चौथे दिन भी बिजली आपूर्ति बहाल नही हुई। खफा ग्रामीण ट्रैक्कर व ट्रालियों में सवार हो कर जींद-सफीदो मार्ग बने पिल्लूखेड़ा पावर हाउस पर पहुंच गए और जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पिछले चार दिनों से बिजली नही है। जिसके बारे बिजली निगम अधिकारियो को कई बार शिकायत की जा चुकी है। बावजूद इसके विभाग ने कोई कदम नही उठाया। चार दिन पहले आंधी से पोल टेढ़े हुए थे। सीधा करने पर तार पेड़ों का छू रहे हैं। बिजली लाइन बार बार ट्रिप हो रही है। जिससे करेंट आने का खतरा भी बना हुआ है। गांव में लगे ट्रासंफार्मर में भी करेंट आ रहा है। बिजली आती है तो वह डिम होती है। जिसके चलते उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न होने के कारण पीने के पानी, चारा काटने में दिक्कत हो रही है।

जींद। जाम लगाए ग्रामीण व जाम लगाए ग्रामीणों को समझाते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

समस्या का सामधान

पिल्लूखेड़ा थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीण सड़क पर आ गए थे। बिजली निगम अधिकारियों को मौके पर बुला कर समस्या का सामधान करवा दिया गया। जिसके बाद ग्रामीण वापस चले गए।

पेयजल किल्लत के साथ पशु भी भूखे

गर्मी का मौसम है। दिन तो किसी तरह कट जाता है लेकिन रात को बेहाल हो जाते हैं। जाम लगने की सूचना पाकर पिल्लूखेड़ा थाना प्रभारी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने बिजली निगम अधिकारियों को मौके पर बुला समस्या के समाधान की मांग पर अड़े रहे। आखिरकार बिजली निगम के जेई सुशील मौके पर पहुंचे और निगम कार्यकारी अभियंता से बात करवा ग्रामीणों को शांत किया। आश्वासन दिया कि चार दिन में समस्या का समधान कर दिया जाएगा। जिस पर ग्रामीण जाम खोलने को राजी हो गए। दो घंटे लगे जाम से यात्रियों तथा वाहन चालको को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जींद। जनरेटर सेट ठीक करते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

नागरिक अस्पताल में बार-बार बिजली कट बढ़ा रहे परेशानी

जनरेटर भी दे रहे जवाब, मरीज बेहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भीषण गर्मी के बीच बार-बार लग रहे कट नागरिक अस्पताल में मरीजों व तिमारदारों की परेशानी को बढ़ा रहे हैं। हालांकि अस्पताल को हॉट लाइन से जोड़ा गया है। बावजूद इसके लोड अधिक बढ़ने के चलते कई बार केबल फॉल्ट व अन्य दिक्कतों के चलते लाइन चली जा रही है। वहीं अस्पताल में नई व पुरानी बिल्डिंग में अलग-अलग जनरेटर सेट रखवाए गए हैं लेकिन इनकी स्थिति ठीक नही है। बिजली जाते ही जनरेटर सेट शुरू नही हो पा रहे हैं। क्योंकि जनरेटर सेट का एक उपकरण खराब है जो ढूंढे से नही मिल रहा है। यही उपकरण जनरेटर सेट को अपने आप से ठीक करता है। नागरिक अस्पताल की नई व पुरानी बिल्डिंग में अलग-अलग जनरेटर सेट रखे हुए हैं। इस समय नागरिक अस्पताल के जीर्णोद्धार का कार्य चला हुआ है। पिछले दिनों किसी कारण से एक जनरेटर सेट में आग लग गई। इस कारण यह खराब हो गया। यह चलता तो है लेकिन बार-बार बंद हो जाता है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने डेढ़ लाख रुपये के बजट की जरूरत बताई है। जल्द ही इसको ठीक करवाया जाएगा। वहीं दूसरे जनरेटर सेट की बात करें तो इसकी रीले नहीं मिल रही हैं। जब भी अस्पताल में लाइट जाती है तो इन जनरेटर सेटों को आटोमेटिक स्टार्ट होना चाहिए लेकिन रीले खराब होने से इस जनरेटर सेट को मैनुअली स्टार्ट करना पड़ता है। जिसमें दस से 15 मिनट का समय लगता है। अस्पताल में बिजली चले जाने से सबसे ज्यादा समस्या आपरेशन थिएटर व इमरजेंसी में हो सकती है।

सोमवार तक समाधान

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि अस्पताल हाटलाइन से जुड़ा है लेकिन बिजली के काफी कट लग जाते हैं। नई व पुरानी बिल्डिंग के अलग-अलग जनरेटर सेट हैं। एक जनरेटर सेट की रीले नहीं मिल रही है, इसलिए उसे मैनुअली स्टार्ट करना पड़ता है। दूसरे जनरेटर सेट की सर्विस करवाई जानी है। सोमवार तक दोनों ही जनरेटर सेट पूरी तरह से सुचारू हो जाएंगे।

पशुबाड़े में लगी आग से तीन पशु जिंदा जले

- शार्ट सर्किट के कारण हादसा पशुबाड़े की छत जलकर गिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव रधाना में शनिवार दोपहर बाद मकान के साथ बने पशुबाड़े में आग लगने से दो भैंस तथा एक गाय के जिंदा जलने से मौत हो गई। आग के कारण पशुबाड़े की छत टूट गई तथा वहां रखा पशु चारा व घरेलू सामान भी जल गया। घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस तथा फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। आग के पीछे शार्ट सार्किट बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रधाना निवासी महेंद्र ने मकान के साथ पशुबाड़ा बनाया हुआ है। जिसमें पशु बांधने के साथ पशुचारे का भी भंडारण किया था। शनिवार दोपहर बाद अचानक पशुबाड़े में आग भड़क उठी। घटना के दौरान परिवार के लोग अपने घर मे कामकाज का निपटा रहे थे। हवा भी काफी तेज चल रही थी। उसी दौरान पशुओं के रांभने की आवाज परिजनों को सुनाई दी। जब उन्होंने पशुबाड़े की तरफ देखा तो आग भयंकर रूप धारण कर चुकी थी। शोर मचाए जाने पर ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की भी कोशिश की लेकिन आग फैलती चली गई। जिससे पशुबाड़े की छत भी जल कर नीचे गिर गई। जिसमें बंधी दो भैंस तथा एक गाय जिंदा जल कर मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस तथा फायर बिग्रेड मौके पर पहुंच गई और कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। आग के कारण भंडारण किया गया चारा तथा कुछ अन्य घरेलू सामान भी जल गया। मकान मालिक महेंद्र ने बताया कि आग शार्ट सर्किट के कारण लगी है।

जींद। पशुबाड़े में लगी आग पर काबू पाते फायर ब्रिगेड कर्मचारी।

अमेरिका भेजने के नाम पर 17.18 लाख की ठगी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

कैथल। विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामले की जांच एंटी एमिग्रेशन सैल प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एएसआई मोहन सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी थेहबनेड़ा निवासी मनजोत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव थेहबनेड़ा निवासी रामपाल की शिकायत अनुसार उसकी जान-पहचान गांव के मनजोत सिंह से थी, जो स्वयं को विदेश भेजने का काम करने वाला एजेंट बताया था। मई 2024 में मनजोत सिंह तथा साथी आसिफ अली खान ने उसके भाई देशराज को अमेरिका भेजने, दो साल का वर्क वीजा व अमेरिका की पीआर दिलाने का झांसा दिया। कहा कि उनकी कंपनी के माध्यम से कई लोग विदेश जाकर लाखों रुपये कमा रहे हैं।

किसान ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

जींद। गांव दालमवाला के खेतों में एक किसान ने फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों ने मृतक को मानसिक रूप से परेशान बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव दालमवाला के ग्रामीणों ने शनिवार सुबह गांव के खेतों में एक व्यक्ति को फांसी के फंदे से लटके देखा। शव की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। घटना को गंभीरता से लेते हुए फोरेंसिक व फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम को मौके पर बुलाया गया। सदर थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि शव की शिनाखत गांव डाहौला निवासी कृष्ण के रूप में हुई।

ऑनलाइन गेमिंग और निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जींद। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित के कब्जे से पुलिस ने पांच हजार रुपये की नगदी भी बरामद की है। पुलिस इस मामले में दो आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। साइबर क्राइम थाना के प्रभारी जगदीप सिंह ने शनिवार को बताया कि सफीदों निवासी विकास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह ड्रीम इलेवन पर क्रिकेट टीम बनाकर गेम खेलता था। इसी दौरान उसके मोबाइल नंबर पर एक व्यक्ति द्वारा कॉल कर स्वयं को ड्रीम इलेवन कंपनी का कर्मचारी बताया गया तथा टीम बना कर अधिक मुनाफा करवाने का झांसा दिया गया।

यूजी कोर्स में दाखिले का आज अंतिम दिन

- जिलाभर के महाविद्यालयों में अपेक्षाकृत कम आए आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

यूजी कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन को लेकर विद्यार्थियों के पास अब केवल एक ही दिन बचा है। अगर उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया तो विद्यार्थी 31 मई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हालांकि शहर के राजकीय पीजी कालेज में अब तक लगभग डेढ़ हजार तो राजकीय महिला कालेज में एक हजार के लगभग आवेदन आ चुके हैं। लेकिन इन आवेदनों की संख्या पिछले साल के मुकाबले काफी कम है। पिछले साल राजकीय पीजी कालेज में विभिन्न 13 संकायों में जहां 2800 के लगभग तो राजकीय महिला कालेज में लगभग डेढ़ हजार आवेदन आए थे। वहीं जिलेभर के अन्य कालेजों में भी पिछले साल के अपेक्षाकृत कम आवेदन आए हैं। ऐसे में कालेज प्रबंधन आस लगाए हुए हैं कि आवेदन के लिए तारीख बढ़ जाए। राजकीय पीजी कालेज में 1468 तो राजकीय महिला कालेज में 940 आवेदन आ चुके हैं। वहीं दोनों कालेजों में 1100 से अधिक आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन भी हो चुका है। राजकीय पीजी कालेज में बीए आट्र्स में निर्धारित 600 सीटों पर 748 आवेदन आए हैं। जबकि बीए इक्नोमिक्स में 40 सीटों पर 17, बीए इंग्लिश में 40 सीटों पर 35, बीए ज्योग्राफी में 40 सीट पर 55, बीए हिस्ट्री में 40 सीट पर 30, बीबीए में 40 सीटों पर 91, बीकाम में 220 सीटों पर 170, बीसीए में 120 सीटों पर 215, बैचलर ऑफ साइंस इन लाइफ साइंस में 170 सीटों पर 148, बैचलर ऑफ साइंस इन फिजिकल साइंस में 300 सीटों पर 99, बैचलर ऑफ साइंस इन कैमिस्ट्री में 40 सीटों पर 47, बैचलर ऑफ साइंस विद मैजर इन मैथ में 40 सीटों पर 58 और बैचलर ऑफ साइंस विद मैजर इन फिजिक्स में 40 सीटों पर 39 आवेदन आ चुके हैं।

आवेदन के लिए बचा एक दिन

राजकीय महाविद्याल के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि विद्यार्थियों की मदद के लिए कालेज में हेल्प डेस्क भी लगाया गया है। अगर उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा शेड्यूल में कोई बदलाव किया गया तो इसके बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवा दिया जाएगा। कालेजों में यूजी कोर्स में दाखिले के लिए 31 मई तक आवेदन होंगे। विद्यार्थियों के पास आवेदन को लेकर केवल एक दिन का ही समय बचा है। हालांकि पिछले साल की अपेक्षा आवेदन कम आए हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने पसंदीदा कोर्स में दाखिले के लिए समय रहते आवेदन करें। आवेदन करते समय सभी जानकारी ध्यान से भरें।

सात अवैध हथियार 11 कारतूस बरामद

कैथल। पुलिस ने 2 दिन ऑपरेशन हथियार चलाया गया। जिसके तहत पुलिस ने सफलता हासिल करते 4 मामलों में 4 को काबू किया गया। आरोपियों के कब्जे से 4 देशी कट्टे व 3 पिस्तौल सहित कुल 7 अवैध हथियार तथा 11 कारतूस बरामद हुए। डीएसपी रमेश गुलिया ने बताया कि मामले में स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में एएसआई बिजेंद्र सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर मंडवाल माइनर के पास से आरोपी प्रदीप निवासी गांव चौंचड़ा जिला करनाल को काबु किया गया। जिसके कब्जे से एक विदेशी पिस्तौल, 5 कारतूस तथा एक देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना राजौंद में मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

खबर संक्षेप

राजपाल 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

जींद। आईटीबीपी में निरीक्षक के तौर पर कार्यरत राजपाल रंगा 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए है। डा. बी आर अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी ने प्रधान राजेश पहलवान की अध्यक्षता में राजपाल रंगा को फूलों की माला पहनाकर, स्मृति चिह्न देकर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सोसायटी के पूर्व महासचिव दलबीर ने कहा कि निरीक्षक राजपाल रंगा ने सेना के नियमों और सिद्धांतों का पूरी निष्ठा से पालन करते हुए देश की सेवा की है। जैसा की भारतीय सैनिक का पहला और सर्वोच्च कर्तव्य राष्ट्र की संप्रभुता, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करना होता है।

सांझी संरक्षण कार्यशाला दो से चार जून तक

जींद। हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को संरक्षित एवं संवर्धित करने के उद्देश्य से कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा सांझी संरक्षण अभियान के तहत मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दो से चार जून तक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल पांडु पिंडारा स्थित पांचाल धर्मशाला में तीन दिवसीय सांझी संरक्षण कार्यशाला आयोजित होगी।

संदिग्ध हालात में दो युवितयां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांधी नगर नरवाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई। वहीं श्याम नगर निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी नाबालिग बेटी भी घर से गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने उन्हें तलाशा भी लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एलुमनी एसोसिएशन मतदाता प्रकाशन 10 को

जींद। एलुमनी एसो राजकीय कालेज के नौ कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन हेतु चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। रिटर्निंग ऑफिसर डा. युद्धवीर रेढू ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 10 जून को किया जाएगा। मतदाता सूची संबंधी आपत्तियां 15 जून से 18 जून तक प्राप्त की जाएंगी तथा उनका निस्तारण 22 जून को किया जाएगा। कार्यकारिणी सदस्यों के लिए नामांकन पत्र 25 से 27 जून तक स्वीकार किए जाएंगे तथा उनकी जांच 28 एवं 29 जून को की जाएगी।

25 युवाओं ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

जींद। नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए सर्व कल्याण मंच जींद टीम द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक एवं शिविर के संयोजक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि रक्तदान कैंप में ए पॉजिटिव व एबी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप के 25 युवाओं ने रक्तदान किया। इसमें डीएसपी रिषभ सोढ़ी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

सोमनाथ मंदिर की फ्री यात्रा के लिए आवेदन छह तक करें

जींद। एडीसी प्रदीप कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्ष की अखंड आस्था व पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल श्री सोमनाथ मंदिर प्रभास पाटनए वेरावल (गुजरात) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी आठ जून को एक विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री सैनी विशेष ट्रेन को कुरुक्षेत्र से झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।उन्होंने कहा कि योजना के तहत यात्रा पूरी तरह निशुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

सांसद ने पिंडारा तीर्थ पर चल रहे विकास कार्यों का लिया जायजा

चल रहे विकास कार्यों में कोताही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं : ब्रह्मचारी

निर्माण कार्यों में धांधलेबाजी के लग रहे थे आरोप

कुरुक्षेत्र के 67 तीर्थों में पांडू पिंडारा तीर्थ शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। निरीक्षण करते सांसद सतपाल ब्रह्मचारी। फोटो :हरिभूमि

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड महाभारत की 48 कोस की परिधि में आने वाले जींद के पांडू पिंडारा तीर्थ के विकास पर ध्यान दे रहा है। यहां चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के लिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के अधिकारी हां पहुंचे और उन्होंने निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस अवसर पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर, सांसद सतपाल ब्रह्मचारीके प्रतिनिधि वजीर गांगोली, जिला महासचिव सोनू भारद्वाज, जिला महासचिव दीपक जागलान पिंडारा, सरपंच कुलदीप पिंडारा, पंडित राममेहर पिंडारा व स्वामी चन्द्रानंद मुख्य रूप से मौजूद रहे। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि पांडू पिंडारा तीर्थ कुरुक्षेत्र भूमि के 67 तीर्थों में शामिल है। यहां शिव मंदिर, बड़ा सरोवर और दर्जनों धर्मशालाएं हैं जहां यात्री रुकते हैं। मान्यता है कि यहां पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति और मोक्ष मिलता है। इसे गया जी के समान ही पितृ कर्म के लिए अति महत्वपूर्ण माना जाता है। जिनको अपने पूर्वजों की तिथि याद नहीं वो सर्वपितृ अमावस्या पर यहां श्राद्ध करते हैं। सांसद ने बताया कि महाभारत युद्ध के बाद पांडवों ने अपने मारे गए परिजनों और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए यहीं पिंडदान किया था। पांडवों को सोमवती अमावस्या का 12 साल तक इंतजार करना पड़ा, फिर पिंडदान किया। इसी कारण गांव का नाम शपांडू पिंडारा पड़ा। हर सोमवती अमावस्या और मार्गशीर्ष अमावस्या पर यहां मेला लगता है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु सरोवर में स्नान और पिंडदान करने आते हैं। मान्यता है कि चंद्रमा को श्राप से मुक्ति यहीं मिली थी, इसलिए इसे सोम तीर्थ भी कहते हैं। पांडू पिंडारा तीर्थ को पितृ दोष से मुक्ति, पितरों को सद्गति और मोक्ष के लिए हरियाणा का सबसे पवित्र तीर्थ माना जाता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि तीर्थ पर चल रहे विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां चल रहे कार्यों में निर्माण सामग्री बेहतरीन क्वालिटी की प्रयोग की जाएगी और किसी प्रकार की कोताही बरतने पर लापरवाही करने वाले अधिकारियों को बख्शा नही जाएगा। यहां चल रहे निर्माण कार्यों में लापरवाही की शिकायत यहां की तीर्थ समितियों और स्थानीय लोगों ने की थी। इन शिकायतों को देखते हुए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के अधिकारियों ने पांडू पिंडारा तीर्थ का दौरा किया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी उनके साथ रहे। निर्माण कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया गया और मौके पर मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के एसडीओ भूपेंद्र वालिया ने बताया कि निर्माण सामग्री में गुणवत्ता को लेकर किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा और निर्माण कार्यों में भी तकनीकी रूप से कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। सरकार का और सभी सरकारी विभागों का अंतिम लक्ष्य आम नागरिक को सुरक्षाए सुविधा एवं निरंतर सेवा प्रदान करना है।सभी विभाग इस कार्य के लिए निरंतर प्रयासरत है ताकि समुचित और विश्वसनीय विकास हो सके जो सभी के लिए कल्याणकारी हो। इस अवसर पर उनके साथ कोमल जेई केडीबी और विपुल जेई लोक निर्माण विभाग उपस्थित रहे।

जींद। बैठक करते माजरा खाप प्रतिनिधि। फोटो :हरिभूमि

मेडिकल कॉलेज की भर्तियों में हैबतपुर को पांच% आरक्षण दिया जाए : गुरविंद्र

पंचायत ने मुफ्त में 24 एकड़ जमीन दी

- मेडिकल महाविद्यालय के निर्माण कार्य की गति को बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

गांव हैबुतपर निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में भर्तियों को लेकर माजरा खाप पंचायत के प्रधान गुरविंदर सिंह संधू व सचिव महेंद्र सिंह ने सरकार से मांग कि है कि इस मेडिकल कॉलेज के लिए गांव हैबुतपुर ग्राम पंचायत ने मुफ्त में 24 एकड़ जमीन सरकार को दान स्वरुप दी है। जिसका मार्केट रेट आज जींद में सबसे ज्यादा बनता है। सरकार इस मेडिकल कॉलेज की कर्मचारियों की भर्तियों में पांच प्रतिशत गांव का आरक्षण निर्धारित करे ओर इसकी निर्माण की गति को बढ़ाया जाए जो कछुआ चाल से चल रही है। प्रवक्ता समुंद्र सिंह फोर ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सितंबर 2016 को इस मेडिकल कालेज का शिल्यानास किया था और उस समय घोषणा कि गई थी कि यह मेडिकल कॉलेज दो साल में बन कर तैयार हो जाएगा लेकिन दो साल में इस की चाहर दीवारी ही निकल सकी। तीन साल इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। 2021 को पुनः कार्य शुरू किया गया लेकिन कार्य को गति नही दी गई। आज भी 20 प्रतिशत निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। हालांकि ओपीडी शुरू की गई है लेकिन इस मेडिकल कॉलेज में कोई लैब की सुविधा उपलब्ध नही है। सब कागजी कार्यवाही हो रही है। सरकार से माजरा खाप पंचायत पुरजोर मांग करती है कि मेडिकल कॉलेज में नए उपकरण, मशीनें, लैब आदि को शीघ्र शुरू किया जाए ताकि लोगों को कुछ सुविधाएं मिल सके। उन्होंने डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा से अनुरोध किया कि कर्मचारी भर्तियों में गांव हैबतपुर को पांच प्रतिशत आरक्षण कोटा दिया जाए। मेडिकल कालेज की निर्माण कार्य की गति को बढ़ाए। इसके अलावा मेडिकल बनने पर गांव के पानी की निकासी रुक गई है, जिसकी उचित व्यवस्था करवाई जाए।

'लोक अदालत सस्ते न्याय का सशक्त माध्यम'

- 15 करोड़ 51 लाख 75 हजार 345 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जिला मुख्यालय में स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार चेक बाउंस धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत कार्यक्रम की देखरेख जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि विशेष लोक अदालत में पूनम सुनेजा जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जयवीर सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शिफा करण सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सौरभ गुप्ता अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जसबीर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मोनिका मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, विवेक सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, परिंदर सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, जशनप्रीत सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, महक प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, श्रीस्प्रीत कौर प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट जींद, योगेश कौशिक प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट, संदीप कुमार ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट नरवाना, अश्विन गुप्ता प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट नरवाना एकमजोत कौर, प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, नरवाना, अमनदीप ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट सफीदों, अमित नैन प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट सफीदों, अनीशा रानी प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट सफीदों के बेंच गठित किए गए। विशेष लोक अदालत में कुल 199 मामले रखे गए। इनमें से 51 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया इसमें 15 करोड़ 51 लाख 75 हजार 345 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने कहा कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए। क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है।

वीपी गर्ग प्रधान, तरूण जैन बने महासचिव

- अग्रवाल वैश्य समाज जींद विस इकाइयों की नई टीमों का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। चुनी गई कार्यकारिणी। फोटो :हरिभूमि

अग्रवाल वैश्य समाज की संगठन विस्तार मुहिम के तहत जींद जिले के अंतर्गत पड़ने वाली विधानसभाओं की कार्यसमितियों का गठन किया है। जिलाध्यक्ष बीएस गर्ग ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंशा व मार्गदर्शन में समाज को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से की नियुक्तियों में जींद विधानसभा से वीपी गर्ग को प्रधान, तरूण जैन को महासचिव, नवीन गुप्ता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में सफीदों विस से प्रवीण मित्तल को प्रधान, प्रवीण को महासचिव, अशोक को कोषाध्यक्ष, जुलाना विस से राजेश गर्ग को प्रधान, विश्वनाथ सिंगला को महासचिव, राहुल जिंदल को कोषाध्यक्ष, नरवाना विस से अर्जुन को प्रधान, एडवोकेट राहुल बंसल को महासचिव, पवन मित्तल को कोषाध्यक्ष तथा उचाना विधानसभा से दयानंद मित्तल को प्रधान, महेंद्र पाल बंसल को महासचिव व पुरूषोत्तम मित्तल को कोषाध्यक्ष बनाया है। नियुक्तियों की घोषणा उपरांत बीएस गर्ग ने बताया कि संगठन लगातार जिला व विस तक अपनी पहुंच मजबूत कर रहा है। इसी कड़ी में जींद जिले की विभिन्न विस इकाइयों में सक्रिय, समर्पित व समाजहित में कार्य करने वालों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कहा कि प्रदेशाध्यक्ष अशोक के नेतृत्व में समाज लगातार विस्तार कर रहा है तथा सामाजिकए शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्र में वैश्य समाज की भागीदारी को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष बीएस गर्ग ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन के कार्य में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज का उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को संगठन से जोडऩा तथा सामाजिक सरोकारों में उसकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

जींद। कार्यशाला में भाग लेते अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

'पंचपदी शिक्षण पद्धति से छात्रों का समग्र विकास संभव'

जींद। विद्या भारती हरियाणा व हिंदू शिक्षा समिति से सम्बद्ध गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कौशिक ने कहा कि विद्यालय में विद्या भारती से संबंधित जींद संकुल के अन्तर्गत आने वाले विद्यालयों के आचार्य बन्धु, भगिनी के लिए पंचपदी शिक्षण पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय संवर्धन व प्रशिक्षण के नाते कार्यशाला में सुधीर, जींद संकुल प्रमुख विनोद कुमार, प्रधानाचार्य आदर्श बाल मंदिर विद्यालय नरवाना सुरेंद्र शर्मा, प्रधानाचार्य शिव मंदिर सनातन धर्म विद्यालय उचाना रणधीर शास्त्री, रुचि कंसल प्रधानाचार्या स्वामी निगम बोध गीता विद्या मंदिर विद्यालय सफीदों, प्रधानाचार्या अनीता जांगड़ा गणेशानंद सनातन धर्म विद्यालय उचाना मंडी, श्री गणेशानंद विद्यालय धनाना की प्रधानाचार्या नीलम उपस्थित रहे। शिक्षण योजना के अनुसार पंचपदी कार्यशाला का प्रथम दिवस में आचार्यों के समक्ष शिक्षा के सैद्धांतिक स्वरूप को स्पष्ट किया। छात्रों के समग्र विकास पर चर्चा करते सुधीर ने विषय को सरल ढंग से समझाया। द्वितीय सत्र में जींद संकुल प्रमुख विनोद ने नई शिक्षा नीति 2020 तथा पंचपदी पर आधारित पाठ योजना को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत करते हुए सीखने के परिणाम, सीखने के उद्देश्य से लेकर अधीति बोध, अभ्यास, प्रयोग, प्रचार आदि सभी बिंदुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

लग्न, परिश्रम और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य की प्राप्तिः उज्ज्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭ उचाना

उचाना। देवी प्रसन्न को सम्मानित करते शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा।

राजकीय विद्यालयों में प्रदेशभर में टॉप स्थान प्राप्त करने पर काब्रच्छा गांव के राजकीय स्कूल में छात्र उज्जवल पुत्र देवी प्रसन्न को शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा द्वारा सम्मानित किया। उज्ज्वल ने अपनी कठिन मेहनत, अनुशासन एवं निरंतर अध्ययन के बल पर 12वीं कक्षा आर्ट संकाय में 99 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उज्ज्वल ने साबित किया कि लगन, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के माध्यम से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उनकी मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। पिता देवी प्रसन्न ने बताया कि वो करसिंधु गांव में राजकीय स्कूल में कार्यरत है। बेटे ने 12वीं कक्षा संकाय विषय में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। पूरे प्रदेश में राजकीय स्कूलों में उज्जवल प्रथम रहने पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा द्वारा सम्मानित किया।

जुलाना। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

निःशुल्क नेत्र जांच कैंप में 300 मरीजों की आंखें जांची

जुलाना। लोकहितम फाउंडेशन द्वारा ब्राह्मण धर्मशाला में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हरियाणा समाज कल्याण बोर्ड के चेयरमैन कैप्टन योगेश बैरागी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर दिल्ली से आए विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सक डा. संचित तिवारी और उनकी टीम ने 300 से अधिक बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही दवा और नजर के चश्मे का भी वितरण किया। इस अवसर पर कैप्टन योगेश बैरागी ने लोकहितम फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के शिविर अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करते हैं। लोकहितम फाउंडेशन की संस्थापक प्रीति ने कहा कि संस्था सदैव जनसेवा के लिए समर्पित रही है।

आर्ट इंटीग्रेशन और एआई रेडीनेस पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

नई शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण आवश्यकः रविंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। इन हाउस प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीबीएसई द्वारा आयोजित दो दिवसीय इन हाउस प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आधुनिक शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने ज्ञान एवं कौशल का विस्तार किया। कार्यशाला के प्रथम दिवस का विषय आर्ट इंटीग्रेशन रहा। जबकि द्वितीय दिवस का विषय फाउंडेशन्स ऑफ कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड एआई रेडीनेस रखा गया। दोनों विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक माने जाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। प्रथम दिवस की प्रशिक्षण कार्यशाला का संचालन सीबीएसई रिसोर्स पर्सन गीता ठुकराल ने किया। उन्होंने शिक्षकों को आर्ट इंटीग्रेशन की अवधारणा, उसके महत्व तथा कक्षा शिक्षण में इसके प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों समूह चर्चाओं और प्रस्तुतियों के माध्यम से आर्ट इंटीग्रेशन के व्यावहारिक पहलुओं को समझा।

गतिविधियों में बढ़-चढ़कर लिया भाग

द्वितीय दिवस की कार्यशाला का विषय फाउंडेशंस ऑफ कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड एआई रेडीनेस रहा। जिसका संचालन सीबीएसई रिसोर्स पर्सन आशु जैन द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी शिक्षकों ने गतिविधियों में बढ़चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य रविंद्र ने संबोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। कहा कि आर्ट इंटीग्रेशन विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता हैए जबकि कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई रेडीनेस उन्हें भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करती है।

मोतीलाल स्कूल में पहली जून से शुरू होगा समर कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय जींद द्वारा बच्चों की गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मकए ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक बनाने के उद्देश्य से समर कैंप 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह समर कैंप एक जून से 13 जून तक स्कूल परिसर में आयोजित होगा। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस कैंप को विशेष रूप से बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस कैंप में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ बाहरी बच्चे भी भाग ले सकेंगे। विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार ने बताया कि आज के समय में बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं बल्कि आत्मविश्वास, रचनात्मकता अनुशासन और व्यावहारिक कौशल की भी आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को लेकर समर कैंप में अनेक रोचक एवं उपयोगी गतिविधियों को शामिल किया गया है ताकि बच्चे खेल-खेल में नई चीजें सीख सकें और अपनी प्रतिभा को निखार सकें। विद्यालय द्वारा प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकों की देखरेख में बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि समर कैंप बच्चों के लिए केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है बल्कि यह उनके व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

खबर संक्षेप

कल से लगेगा सात दिवसीय योग शिविर

कैथल। गांव फतेहपुर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और आधुनिक जीवनशैली की बीमारियों से दूर रखने के लिए आगामी 1 जून से 7 जून तक एक भव्य सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में सुप्रसिद्ध योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा लोगों को प्राणायाम, योगासन और ध्यान (मेडिटेशन) का विशेष अभ्यास कराया जाएगा। शिविर के दौरान विशेष रूप से मोटापा, गैस-एसिडिटी, जोड़ों का दर्द, हाई ब्लड प्रेशर, और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से प्राकृतिक रूप से मुक्ति पाने के उपाय बताए जाएंगे।

पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट में एक घायल

कैथल। कलायत में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला करने और जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित करने का केस सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 4 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर-1 कलायत निवासी विनय उर्फ गोलू ने बताया कि वह एसी सर्विस का काम करता है। 27 मई की रात वह अपने कारीगर लक्की उर्फ अतुल के साथ गांव बात्ता से काम खत्म कर बाइक पर लौट रहा था।

मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं पात्र नागरिक

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं । जिन परिवारों की सालाना आय तीन लाख रुपये तक है वसालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है वो परिवार दो किलोवाट तक का सोलर पैनल पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार व हरियाणा की ओर से 20 हजार का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं।

स्मारक डाक टिकट का अनावरण किया

कैथल। आर्ट ऑफ़ लिविंग के 45 वर्ष पूरे होने पर देश-विदेश से 678 विशिष्ट अतिथि आर्ट ऑफ़ लिविंग के बेंगलुरु आश्रम पहुंचे। यह समारोह पूरे 1 महीने तक चला । जिसमें विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं वाले राष्ट्रीय नेता व्यापारी दिग्गज, खिलाडी, आध्यात्मिक गुरु, अनेक कलाकार और सामाजिक परिवर्तनकरता सम्मिलित हुए।

तंबाकू के सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित किया

गुहला-चीका। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू और इससे बने उत्पादों के सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर एसएमओ प्रीति सिंगला ने बताया डीसी अपराजिता के दिशा निर्देश व सिविल सर्जन डॉ रेणु चावला के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ने लोगों की जागरुक किया व शपथ दिलाई।

निर्जला एकादशी 25 जून को मनाई जाएगी

राजौंद। आचार्य पंडित राम भगत हरितस ने बताया कि अब की बार अधिक मास होने कारण ज्येष्ठ मास की निर्जला एकादशी 25 जून को मनाई जाएगी और इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि अधिक मास के चलते 11 जून को कमला एकादशी आ रही है। इस बार जून के महीने में दो महा-एकादशियां आने और त्योहारों के थोड़ा देरी से आने के मुख्य कारण पर प्रकाश डालते हुए सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य पंडित राम भगत हरितस ने बताया।

राजकीय वमावि ग्योंग में चल रहे समर कैंप का छठा दिन

समर कैंप में बच्चों ने जाना इतिहास-भूगोल का महत्व

तैयार किए स्पर्श-चित्रों की मदद से नदियों, किलों और पर्वतों की संरचनाओं को समझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ग्योंग में चल रहे समर कैंप के छठे दिन विद्यार्थियों को देश के समृद्ध इतिहास और भौगोलिक विविधताओं से रूबरू करवाया गया। छठे दिन की थीम /"ऐतिहासिक और भौगोलिक जागरूकता/" पर आधारित रही, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर की शुरुआत प्राचार्य राम निवास कौशिक के मार्गदर्शन में हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने देश के इतिहास और भूगोल को जाने बिना हमारी शिक्षा अधूरी है। इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में देश के प्रति सम्मान और खोजी दृष्टिकोण (इन्वेंटिव माइंडसेट) विकसित करती हैं। नोडल अधिकारी कमलेश रानी और अनूप धीमान की देखरेख में आयोजित आज के सत्र में बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान दिया गया।
कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने मानचित्रों का उपयोग करके प्रमुख ऐतिहासिक और भौगोलिक स्थानों को खोजना सीखा। एक यात्री की भूमिका निभाते हुए यात्रा रूट, परिवहन के साधन और पूरे यात्रा विवरण को तैयार करने का अभ्यास किया। विशेष रूप से तैयार किए गए स्पर्श-चित्रों की मदद से छूकर और महसूस करके नदियों, किलों और पर्वतों की संरचनाओं को समझा। यह गतिविधि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और व्यावहारिक रूप से सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए बेहद मददगार साबित हुई। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने और बच्चों को विभिन्न गतिविधियों को बारीकी से सिखाने में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों नीतू गर्ग, आशा रानी, बिंदु रानी, अजय और पूर्णिमा ने मुख्य भूमिका निभाई।

कैथल। शिविर के दौरान भूगोल की जानकारी लेते विद्यार्थी।

राजौंद। समर कैंप के दौरान गतिविधियों में भाग लेते विद्यार्थी।

भारतीय भाषा समर कैंप से बढ़ रही विद्यार्थियों में भाषाई दक्षता व सांस्कृतिक समझ

राजौंद। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी में 25 मई 2026 से सात दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया। यह कैंप लगातार सात दिनों तक बिना किसी अवकाश के आयोजित किया जा रहा है। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय भाषाओं के प्रति रुचि जागृत करना, उनकी भाषाई दक्षता बढ़ाना, सांस्कृतिक समझ विकसित करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। कैंप के दौरान विद्यार्थियों को विविध गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। प्रथम दिन हिंदी प्राध्यापिका पूनम शर्मा और सामाजिक विज्ञान की अध्यापिका पूनम रानी ने विद्यार्थियों को अभिवादन और वर्णमाला के विभिन्न सोपानों को फ्लैश कार्ड के माध्यम से सिखाया। दूसरे दिन भूगोल प्राध्यापक मोनू और ऑटोमोबाइल अध्यापक अजय कुमार ने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन से जुड़े संवाद और किरदारों जैसे दुकानदार, कुली, रिक्शा चालक और कंडक्टर का रोल प्ले करवाया। तीसरे दिन कला प्राध्यापक जितेंद्र सिंह और संस्कृत प्राध्यापक वीरभान ने विद्यार्थियों को लोक कला और संगीत का अनुभव कराया। प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता आहूजा ने कहा कि इस प्रकार के कैंप विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर: नरेंद्र

पूंडरी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे जानकारी देते चिकित्सक।

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से समाज में आ रहा सकारात्मक बदलाव : डा. महेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

उप स्वास्थ्य केंद्र पुंडरी द्वितीय के क्षेत्र में सिविल सर्जन डा. रेणु चावला के आदेशों पर व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डा. महेश के निर्देशों पर हर शनिवार बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसकी कड़ी में आज स्वास्थ्य कर्मचारी नरेंद्र, लक्ष्मी देवी एम.पी.एच.डब्ल्यू (फिमेल) द्वारा सयुंक्त रूप से बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम आयोजित किया गया। नरेंद्र व लक्ष्मी देवी स्वास्थ्य कर्मचारी द्वारा उपस्थित महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया गया कि बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करना हम सभी का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। भारत सरकार द्वारा संचालित /"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ/" अभियान का उद्देश्य बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, लिंगानुपात में सुधार लाना तथा बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है।

शिक्षा सुनिश्चित करें

कहा की आज बेटियां शिक्षा, खेल, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, सेना और अंतरिक्ष जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। अभियान समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बेटियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर आमजन से अपील की कि वे बेटियों को समान अधिकार दें, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करें तथा बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव और कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाएं। बेटियों का सम्मान और संरक्षण ही एक सशक्त एवं विकसित राष्ट्र की पहचान है। कहा की आइए, हम सभी संकल्प लें कि बेटियों को सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाकर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे।

भीषण गर्मी में मिल परिसर में पक्षियों के संरक्षण के लिए रखवाए स्कोरे

- कर्मचारियों ने लिया नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कैथल सहकारी चीनी मिल प्रशासन ने पक्षियों के संरक्षण एवं उनकी प्यास बुझाने के लिए मिल परिसर में विभिन्न स्थानों पर पानी से भरे कसोरे रखवाए। इस दौरान मिल कर्मचारियों ने इन कसोरों में नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प भी लिया। मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार ने कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को अपने घरों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी एवं दाने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह छोटी-सी पहल हजारों बेजुबान पक्षियों के जीवन की रक्षा करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। प्रकृति और जीव-जंतुओं का संरक्षण हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं।

कैथल। शूगर मिल में पक्षियों के लिए स्कोरे रखवाते एमडी कृष्ण कुमार।

सीपीआईएम ने प्रदर्शन के बाद सौंपा मांगपत्र

कैथल। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) लघु सचिवालय परिसर कैथल में जन मुद्दों पर धरना-प्रदर्शन किया व उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार व कैथल के स्थानीय मुद्दों का ज्ञापन उपायुक्त के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकारी जिला सचिव जय प्रकाश ने बताया कि ज्ञापन उपायुक्त के नाम शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर दिया गया। इसमें शहरों में साफ़ सफाई , सड़कों व गलियों की मुरम्मत व उन्हें से बनाने , लाईट व्यवस्था ठीक हो, आवारा पशुओं , कुत्तों , बन्दरो पर रोक लगे , पार्किंग व्यवस्था ठीक करने , पानी का प्रबंध , नालों ड्रेनों साफ़ करने व उन्हें ढकने , सफाई कर्मचारियों की नार्म अनुसार संख्या बढ़ाने , एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनाने ,, पार्कों का सौन्दर्यकरण करने व झूलों आदि की उचित व्यवस्था बारे आदि मुद्दों को लेकर भी ज्ञापन सौंपा।

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन का अंतिम दिन आज

प्रवेश पंजीकरण सहायता केंद्र रविवार को भी रहेगा खुला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

आरकेएसडी कॉलेज, कैथल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मई है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते कॉलेज प्रशासन ने निर्णय लिया है कि कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल (गर्ल्स कॉमन रूम के ऊपर) में स्थापित प्रवेश पंजीकरण केंद्र रविवार को भी कार्यरत रहेगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल ने बताया कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया का लाभ उठा रहे हैं। अंतिम तिथि को देखते हुए ऐसे विद्यार्थियों की सहायता के लिए, जिन्होंने अभी तक अपना पंजीकरण नहीं कराया है अथवा जिन्हें आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, सहायता केंद्र को रविवार को भी खुला रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र विद्यार्थी केवल तकनीकी कारणों से पंजीकरण से वंचित न रहे।

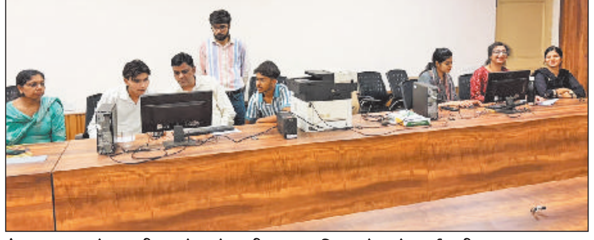
कैथल। आरकेएसडी कालेज में पंजीकरण प्रक्रिया में जुटे कर्मचारी।

एनआईआईएलएम विवि में परीक्षा केंद्र स्थापित किया

- इग्नू की सत्रांत परीक्षाएं 01 जून से होंगी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की जून-जुलाई सत्रांत परीक्षाएं पूरे भारतवर्ष में 01 जून से प्रारंभ होकर 21 जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्म पाल ने बताया कि हरियाणा के भिवानी, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, सिरसा, सोनीपत, पानीपत एवं रोहतक जिलों में इग्नू द्वारा कुल 37 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें से 12 परीक्षा केंद्र हरियाणा की विभिन्न जेलों में बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जून-जुलाई माह में आयोजित होने वाली इन परीक्षाओं में पूरे हरियाणा से कुल 3,72,484 परीक्षार्थी परीक्षा देंगें। विवि जनसंपर्क अधिकारी डॉ मनोज कुमार ने बताया की जिला कैथल में एनआईआईएलएम विवि कैथल में परीक्षा केंद्र स्थापित किए गया है, इग्नू की परीक्षाएं प्रतिदिन दो सत्रों में आयोजित होंगी।

डॉक्टर मनोज कुमार

सर्वसम्मति से निर्वाचित महिला सरपंच मंजीत कौर का किया भव्य स्वागत

- सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिले में सर्वसम्मति से चुनी महिला सरपंच मंजीत कौर का सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय में स्वागत किया गया। ब्लॉक सीवन के गांव गोबिंदपुरा की नवनिर्वाचित सरपंच मंजीत कौर ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का कार्य कर रहे हैं। उनका समावेशी विकास का दृष्टिकोण प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि नवीन जिन्दल द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में चलाए जा रहे कार्यक्रम ग्रामीण समाज के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। सांसद नवीन के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने कहा कि नव-निर्वाचित सरपंच मनजीत कौर एवं सभी निर्वाचित पंच गांव के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

कैथल। सर्वसम्मति से चुनी महिला सरपंच मंजीत कौर का स्वागत करते हुए।

इस मास में किया सद्कर्म निश्चित फल प्रदायक

पुरुषोत्तम भगवान श्रीहरि का ही स्वरूप: शास्त्री

अधिकमास को धर्म और कर्म के लिए उपयोगी बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी में प्रसिद्ध धर्माचार्य पंडित रवि दत्त शास्त्री ने बताया कि इस पुरुषोत्तम मास को स्वयं भगवान ने अपना लोक मंगलकारी नाम प्रदान करके पुरुषोत्तम मास बनाकर कलिकाल में लोकमंगल के लिए प्रतिष्ठित किया है। इस पावन मास में किया गया कोई भी सद्कर्म निश्चित ही अक्षय पुण्य फल प्रदायक हमारे शास्त्रों में बताया गया है। इस मास की एक विशेषता यह भी है, कि इसमें किया गया न्यून पुण्य कर्म भी अनंत गुना अधिक फलदायी होता है इसीलिए इसको अधिक मास के नाम से भी जाना जाता है। पंडित रवि दत्त शास्त्री ने बताया कि दैत्याराज हिरण्यकश्यप ने अमर होने के लिए तप किया ब्रह्माजी प्रकट होकर वरदान मांगने का कहते हैं तो वह कहता है कि आपके बनाए किसी भी प्राणी से मेरी मृत्यु न हो, न मनुष्य से और न पशु से। न दैत्य से और न देवताओं से। न भीतर मरूं, न बाहर मन दिन में न रात में न आपके बनाए 12 माह में न अस्त्र से मरू और न शस्त्र से न पृथ्वी पर न आकाश में। आपके बनाए हुए समस्त प्राणियों का में एकक्षत्र सम्राट रहे। तब ब्रह्माजी ने कहा- तथास्तु फिर जब हिरण्यकश्यप के अत्याचार बढ़ गए और उसने कहा कि विष्णु का कोई भक्त धरती पर नहीं रहना चाहिए तब श्री हरि की माया से उसका पुत्र प्रहलाद ही भक्त हुआ और उसकी जान बचाने के लिए प्रभु ने सबसे पहले 12 माह को माह में बदलकर अधिक मास बनाया।

पंडित रवि दत्त शास्त्री।

पुण्य मिलेगा

उन्होंने नृसिंह अवतार लेकर शाम के समय देहरी पर अपने नाखुनों से उसका वध कर दिया। इसके बाद चूंकि हर चंद्रमास के हर मास के लिए देवता निर्धारित है, परंतु अतिरिक्त मास का अधिपति बनने के लिए कोई भी देवता तैयार न हुआ। ऐसे में ऋषि-मुनियों ने भगवान विष्णु से आग्रह किया कि वे ही इस मास का भार अपने उपर लें और इसे पवित्र बनाएं तब भगवान विष्णु ने इस आग्रह को स्वीकार कर लिया और इस तरह मलमास के साथ पुरुषोत्तम मास भी बन गया। इस प्रकार भगवान ने अनुपयोगी हो चुके अधिकमास को धर्म और कर्म के लिए उपयोगी बना दिया।

अब पूरा जिला होगा योगमय : रामचरण

कैथल। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वाधान में भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति कैथल की एक विशेष बैठक भारत स्वाभिमान प्रभारी रामचरण की अध्यक्षता में सैक्टर 20, देवीलाल पार्क, हुड्डा, कैथल में सम्पन्न हुई। जिसमें हमारी सहयोगी संस्था श्री खाटुश्याम सालासर सेवा समिति कैथल के प्रधान मनोज सिंगला ने कहा कि अब समय आ गया है कि पूरे जिले को रोगमुक्त किया जाए क्योंकि एलोपैथी का ईलाज बीमारियों को ठीक नहीं करता बल्कि दबा देता है और न ही सरकार के पास इतने संसाधन है कि वो हर आदमी को स्वास्थ्य सेवाएं दे सके। योग ही एक ऐसा माध्यम है जिससे हर व्यक्ति बिना पैसे लगाए अपने को स्वस्थ रख सकता है। इसके लिए हमने पतंजलि योग समिति जिला कैथल से मिलकर कार्ययोजना तैयार की है जिसके तहत 2 से 16 जून तक 15 दिवसीय सहयोग शिक्षक शिविर लगाया जा रहा है।

न्यूज डायरी

समाज को नैतिक रूप से स्वस्थ बनाना आवश्यक

राजौंद। संगम गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन अभियान के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजौंद सेवा केंद्र द्वारा गांव फरियाबाद में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में समाज को शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक रूप से स्वस्थ बनाना अत्यंत आवश्यक है। बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था आध्यात्मिक मूल्यों के साथ-साथ सकारात्मक जीवनशैली, नशामुक्ति, स्वच्छता और मानसिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर सेवाएं प्रदान कर रही है।

शहीद भगत सिंह भवन में सीटू स्थापना दिवस मनाया

कैथल। सीटू के 56वें स्थापना दिवस के मौके पर सीटू राज्य उपाअध्यक्ष विनोद कुमार ने शहीद भगत सिंह भवन कैथल में फहराया सीटू का झंडा। 30 मई को शहीद भगत सिंह भवन कैथल में सीटू स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें सीटू राज्य उपाध्यक्ष कॉमरेड विनोद और राज्य कोषाध्यक्ष कॉमरेड सुखबीर प्रभात ने हिस्सेदारी की। राज्य उपाध्यक्ष विनोद कुमार ने झंडा रोहण किया और तमाम मेहनत का जमात को सीटू स्थापना दिवस की बधाई दी। राज्य कोषाध्यक्ष कॉमरेड सुखबीर प्रभात ने इस मौके पर उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं देते सीटू के शिरोमणिय इतिहास पर चर्चा की।

देश हित में पत्रकारिता करनी चाहिए : डॉ. वीरेंद्र

कैथल। विश्व संवाद केंद्र द्वारा देवऋषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में भव्य पत्रकार मिलन समारोह संपन्न विश्व संवाद केंद्र कैथल के तत्वाधान में महर्षि नारद जयंती और हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पत्रकार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक गोयल और मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान (निदेशक, हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान) ने शिरकत की। कार्यक्रम संयोजक डॉ अभिषेक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत देवर्षि नारद एवं भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

खबर संक्षेप

1933 पर दें ड्रग्स तस्करी की जानकारी : डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 शुरू किया हुआ है। यह हेल्पलाइन देश को 2047 तक नशा मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मानस हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे चालू रहता है।लोग इस पर ड्रग्स तस्करी की गुप्त जानकारी साझा कर सकते हैं।

सेवादार सतवीर सिंह की सेवानिवृत पर कार्यक्रम

उचाना। राजकीय उच्च विद्यालय मखंड से सतवीर सिंह सेवादार के पद से लगभग 27 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत हुए। विद्यालय स्टाफ, गांव के सामाजिक व्यक्तियों ने विदाई दी। अध्यापक शीशपाल शास्त्री ने बताया कि विद्यालय का कोई भी रिकॉर्ड का पता करना होता था तो सतबीर सिंह से ही पूछा जाता था। इस मौके पर अध्यापक सुभाष, जसवीर सिंह स्कूल स्टॉफ, ग्रामीण मौजूद रहे।

अपनी पीठ को सदैव रखें मजबूत : शांडिल्य

उचाना। राधा-कृष्ण प्राचीन मंदिर पुजारी पं. सत्यनारायण शांडिल्य ने कहा कि हमें अपनी पीठ को सदैव मजबूत रखना चाहिए क्योंकि जीवन में धोखा और शाबाशी दोनों पीठ पीछे ही मिलती है। धोखा सहना तो असहनीय होता ही है, लेकिन शाबाशी मिलने पर उसको न पचा पाना भी हमारे प्रगती पथ में बड़ी बाधा बन जाता है। पीठ मजबूत होना अर्थात हमारी संकल्प शक्ति का दृढ़ होना है।

हाइड्रोजन ट्रेन को शकूरबस्ती भेजा

जींद। जींद से भंभेवा तक शुक्रवार को चलाई गई हाइड्रोजन ट्रेन को मरम्मत के लिए शकूरबस्ती दिल्ली भेजा गया है। वहां से एक सप्ताह से 10 दिन में ट्रेन के आने की संभावना है। जिसके बाद ट्रेन के उद्घाटन का शेड्यूल आने की संभावना है। जींद से सोनीपत रूट पर इस ट्रेन को चलाया जाएगा। जिसकी अधिकतम गति सीमा 75 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहेगी।

मार्केटिंग बोर्ड चेयरमैन बने एडवोकेट वेदपाल

पूंडरी। हरियाणा सरकार द्वारा एडवोकेट वेदपाल को हरियाणा एग्रीकल्चर एवं मार्केटिंग बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोगों ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए इसे किसानों और प्रदेश के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया है।

चोरों ने कई जगह चोरी की वारदात को अंजाम दिया

जींद। जिला में चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। संबंधित थाना पुलिस ने चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उचाना खुर्द में दो लाख रुपये की चोरी हुई। दूसरी वारदात गांव काब्रच्छा के डेरा रामपुरी महाराज में हुई। तीसरी चोरी में खेत से तीन हॉर्स पावर की सोलर मोटर चोरी हो गई। नरवाना निवासी मनोह ने बताया कि अनाज मंडी में आढ़त की दुकान से नौ कट्टे गेहूं के चोरी हो गए। जुलाना के गांव गतौली निवासी सोनू ने बताया कि उसके खेत चोरों ने मोटर चोरी कर ली। गढ़ी निवासी बलविंदर ने बताया कि उसकी बस स्टैंड पर दुकान है। रात को चोरों ने दुकान से हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया।

तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट, मौसत हुआ सुहावना

बारिश ने गर्मी और धूल भरी हवा से दिलाई राहत

फसलों तथा सब्जियों को भी पहुंचा फायदा, झुलसने का था खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

पशिचमी विक्षोभ कि सक्रियता के चलते शनिवार को शाम को हुई बारिश ने गर्मी तथा धूल भरी आंधी से काफी राहत दी है। बारिश के चलते मौसम सुहाना हो गया। तापमान मे भी दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि बारिश ज्यादा देर तक जारी नहीं रहीं। फिर भी कुछ हद तक गर्मी से राहत देने का कार्य किया है। शनिवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 24 प्रतिशत तथा हवा की गति 12 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मौसम अगले 24 घंटों के दौरान आकश में बादलवाई बनी रहने के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। तापमान मे भी गिरावट आएगी।

34 डिग्री रहा अधिकतम तापमान

कई इलाकों में गुल हुई बिजली

शनिवार को दिन का आगाज साफ मौसम के साथ हुआ। हवा भी ठंडी रही। दिन चढ़ने के साथ आकाश में धूल जमे बादल दिखाई देने लगे। बाद में मौसम ने तेजी से करवट ली और धूल भरी हवा चलने लगी। जिसके चलते बिजली भी गुल हो गई। कुछ समय के बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। जिसने गर्मी तथा धूल भरी हवा से राहत दिलाई। हालांकि बारिश ज्यादा देर जारी नही रही। बावजूद इसके मौसम को सुहाना बना दिया। आकाश में बादल छाए रहने से बारिश की संभावना बनी रही।

जींद। बारिश के बीच गोहाना रोड से गुजरते वाहन। फोटो : हरिभूमि

आज भी हो सकती है बूंदाबांदी

बारिश भले ही हलकी हुई हो लेकिन फसलों को लिए फायदेमंद रही है। भीषण गर्मी के कारण फसलें तथा सब्जियां झुलसने लगी थी। भीषण गर्मी का कामकाज पर भी प्रभाव पड़ रहा था। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी बादल आकाश में बने रहेंगे। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है। तापमान में भी गिरावट आएगी। आगे मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। गर्मी से राहत जारी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पशिचमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव आया है। जिसके चलते कहीं बारिश तो कहीं बूंढाबांदी हुई है। तापमान में भी गिरावट आई है। मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। आगे भी आकाश में बादलवाई देखने का मिलेगी। हवा के साथ धूल भी उड़ सकती है।

जींद। हुडा मार्केट में जमा हुआ बारिश का पानी। फोटो : हरिभूमि

मौसम ने ली करव, ठंडी हवाओं ने दिलाई गर्मी से राहत, 33 डिग्री तक आया अधिकतम तापमान

कैथल। जिले में शनिवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई। पिछले कई दिनों से लगातार पड़ रही तेज गर्मी और लू के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था, लेकिन शनिवार को मौसम में आए बदलाव ने लोगों को राहत का अहसास कराया। दोपहर के समय आसमान में बादल छाने के बाद कई क्षेत्रों में बारिश हुई, जिससे वातावरण में ठंडक बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा। दो दिन पहले तक अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस प्रकार महज दो दिनों में तापमान में करीब 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। तापमान में आई इस कमी का असर पूरे दिन महसूस किया गया और लोगों को उमस व गर्म हवाओं से राहत मिली। कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य समन्वयक डा. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम परिवर्तन देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है।

जींद। टॉयलेट का वह कनेक्शन जिससे गंदे पानी का रिसाव हो रहा व नाली में बह रहा टॉयलेट का गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

हकीकत नगर में टॉयलेट का बदबूदार पानी बह रहा खुले में

- कालोनीवासी हो रहे परेशान शिकायत करने के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

हकीकत नगर में एक गंभीर स्वच्छता समस्या उभरकर सामने आई है। जिसमें टॉयलेट का गंदा पानी सीधे गली में बह रहा है और आसपास लोगों को भीष्ण बदबू के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में वार्ड पार्षद, नगर परिषद को भी शिकायत दर्ज करवाई गई थी लेकिन समस्या का समाधान नही हुआ है। हकीकत नगर निवासी राकेश कुमार की पत्नी निशा ने हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा को शिकायत देकर बताया कि उनके पड़ोसी के घर का टॉयलेट का गंदा पानी सीधे गली में बह रहा है। इस समस्या के कारण उनके घर तथा आसपास बदबू फैल रही है। बाकायदा गली से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निशा ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने 28 जनवरी नगर परिषद को इस समस्या की शिकायत दी थी। इसके बाद 16 फरवरी को डीसी कार्यालय में शिकायत दी थी लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। आज भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने बताया कि गंदे पानी के कारण उनके बच्चे बार-बार बीमार पड़ रहे हैं। गली में बैठना तक भी मुहाल हो गया है। पड़ोसी के घर से निकलने वाला यह गंदा पानी न केवल गली में फैल रहा है बल्कि मक्खी व मच्छर भी बढ़ गए हैं। बदबू से महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

व्यवस्था पर सवाल

निशा ने बताया कि उन्होंने पड़ोसी से बातचीत भी की और स्वयं नाली साफ करवाई लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ऐसे में यह मामला शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। निशा ने कहा कि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उनके बच्चों का स्वास्थ्य और भी बिगड़ सकता है। उन्होंने डीसी व नगर परिषद अधिकारियों से भी अपील की कि संबंधित टीम को मौके पर भेज कर नाली और सीवर लाइन की जांच कराई जाए तथा पड़ोसी पर उचित कार्रवाई की जाए।

एनसीसी कैंप से निखरता है व्यक्तित्व और नेतृत्व कौशल

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में आगामी एनसीसी कैंप में भाग लेने वाले कैडेट्स की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री ओ. पी. शर्मा ने की। इस अवसर पर उन्होंने कैडेट्स को एनसीसी कैंप के महत्व तथा उससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।प्राचार्य ओ पी शर्मा ने कहा कि एनसीसी कैंप विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कैंप में भाग लेने से विद्यार्थियों में अनुशासन नेतृत्व क्षमता आत्मविश्वास साहस तथा टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि कैंप का वातावरण विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने तथा कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान कैडेट्स को ड्रिल मैप रीडिंग फायरिंग आपदा प्रबंधन प्राथमिक उपचार तथा विभिन्न साहसिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास होता है।

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में एनसीसी कैडेट्स को जानकारी देते प्राचार्य ओपी शर्मा। फोटो : हरिभूमि

कैप्टन योगेश बैरागी बने हरियाणा समाज कल्याण बोर्ड के चेयरमैन, जुलाना में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭जुलाना

जुलाना हलके से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी को हरियाणा समाज कल्याण बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। जुलाना के हांसी मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने कैप्टन योगेश बैरागी को फूल मालाएं पहना कर सम्मानित किया तथा मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में समाज कल्याण बोर्ड जनहित से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा। समाज कल्याण बोर्ड के माध्यम से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कैप्टन योगेश बैरागी अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के बल पर नई जिम्मेदारी में सफलतापूर्वक कार्य करते हुए प्रदेश के सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कैप्टन योगेश बैरागी ने प्रदेश सरकार और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जहां हर कार्यकर्ता को सम्मान होता है।

जुलाना। कार्यक्रम में नवनियुक्त चेयरमैन का स्वागत करते कार्यकर्ता।

11.50 लाख कीमत के 72 गुमशुदा मोबाइल ढूंढ निकाले

कैथल। फोन मालिकों को गुमशुदा फोन लौटाते डीएसपी बीरभान।

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

साइबर सेल प्रभारी एएसआई राकेश की अगुवाई में एएसआई रणदीप सिंह, एचसी दीपक, एचसी अरुण, सिपाही अनिल कुमार, अजय वीर व मोनू की टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटा कर मई माह में आमजन के गुम हुए करीब 11.50 लाख रुपये से अधिक कीमत के 72 मोबाइल फोन को ढूंढ कर सराहनीय कार्य किया है। डीएसपी बीर भान द्वारा पुलिस लाइन कैथल में आज मोबाइल मालिकों को बुलाकर फोन सौंपे गए। डीएसपी बीर भान ने कहा कि पुलिस की साइबर सेल ने सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त मोबाइल गुम की शिकायतों की मॉनिटरिंग करते हुए मोबाइल को ट्रेस करने में सफलता हासिल की है।

विशेष लोक अदालत में 102 मामले निपटाए

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंचन माही के मार्गदर्शन में शनिवार को न्यायिक परिसर कैथल में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें कुल 3150 लंबित मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया था, जिनमें से 102 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री कंवल कुमार ने बताया कि परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) की धारा 138 के अंतर्गत लंबित चेक बाउंस मामलों में कुल 2 करोड़ 2 लाख 43 हजार 593 रुपये की राशि से संबंधित मामलों का आपसी समझौते के आधार पर सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान कराया गया। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित निपटारा करना रहा। इसके अलावा लोक अदालत में हुए निर्णय के विरुद्ध अपील का कोई प्रावधान नहीं होता और नियमानुसार न्यायालय शुल्क भी वापस कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस विशेष लोक अदालत के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नंदिता कौशिक, सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) संदीप कौर, सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन), कैथल जसमीन कौर, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) अक्षय चौधरी तथा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) उपमंडलीय न्यायालय गुहला राजविंदर सिंह के बेंच गठित किए गए थे। उन्होंने आमजन से लोक अदालतों का लाभ उठाने और सहमति से विवादों के समाधान का आह्वान किया।

कैथल। विशेष लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

सीएम किसान हित में ले रहे हैं फैसले : देवेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. रामचंद्र जांगड़ा से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। डॉ. रामचंद्र जांगड़ा एवं उनके परिवार के सदस्य ने स्वागत किया। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से मिलने वाले मुआवजों में बढ़ोतरी की है।

पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम नायब सिंह सैनी किसान हित में नायाब फैसले ले रहे है। किसान किस तरह से आर्थिक रूप से मजबूत बने इस कोशिश के तहत कार्य भाजपा सरकार कर रही है। किसान हित में अब से पहले की सरकारों में सिर्फ बातें होती थी। मुख्यमंत्री बागवानी योजना के तहत खराब फसलों के मुआवजे को बढ़ा कर 40 से 50 हजार, सब्जियों और मसालों की फसल का मुआवजा प्रति एकड़ बढ़ा कर 30 हजार से 40 हजार करने के साथ टिश्यू कल्चर आलू बीज प्रमाणीकरण हेतु हरियाणा आलू बीज अधिनियम लागू होगा।

उचाना। भाजपा नेता डॉ. रामचंद्र जांगड़ा के निवास पर पहुंचे भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

नशा तस्कर को चरस दिलवाने वाला काबू

कैथल। विदेशी नशा तस्कर को हिमाचल प्रदेश से चरस दिलवाने वाले आरोपी को भी स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 27 मई को स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में एएसआई संदीप कुमार की टीम द्वारा एनएच 152डी मोहना पुल करनाल से कैथल के नीचे दबिश देकर आरोपी वियना, ऑस्ट्रिया हाल चुहाडी जिला वलिपुरम तमिलनाडु निवासी मनुचेर रशीदी को काबू किया गया था। जिसके कब्जे में एक बैग अंदर रखे पॉलीथिन से 1 किलो 85 ग्राम चरस बरामद हुई थी। आरोपी के खिलाफ थाना पुंडरी में मामला दर्ज करके एएसआई तरसेम द्वारा आगामी जांच करते हुए आरोपी मनुचेर का न्यायालय से 3 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया। रिमांड अवधि दौरान पूछताछ दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी को नशीला पदार्थ कर्मपाल द्वारा हिमाचल प्रदेश में दिलवाया गया था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुडा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

पहल पशुओं को जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने को चलाया जा रहा अभियान

जिलेभर में अब तक एक लाख 68 हजार 564 पशुओं का टीकाकरण

खुरपका, मुंहपका एवं गल घोटू रोग से बचाव के अभियान के तहत मिली 4,45,995 वैक्सीन डोज

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

पशुपालन एवं डेयरी विभाग जिला जींद द्वारा जिले के पशुधन को संक्रामक एवं जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से खुरपका, मुंहपका रोग (एफएमडी) एवं गल घोटू रोग (एचएस) के विरुद्ध विशेष संयुक्त टीकाकरण अभियान चालया जा रहा है। पिछले 15 दिन में जिलेभर में एक लाख 68 हजार 564 पशुओं का टीकाकरण हो चुका है। जिसमें से नरवाना में 52404, जींद में 47058, उचाना में 32307 व सफीदों में 36795 पशुओं को वैक्सीन लग चुकी है। अभियान लगभग एक माह तक जिले के सभी गांवों, ढानियों एवं पशुपालन क्षेत्रों में चलाया जाएगा। जींद के लिए एफएमडी एवं एचएस संयुक्त टीकाकरण अभियान के तहत 4,45,995 वैक्सीन डोज भेजी गई हैंए ताकि जिले के सभी पात्र पशुओं का व्यापक स्तर पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुओं को रोगों से बचाकर पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से सुरक्षित रखना व जिले में स्वस्थ एवं उत्पादक पशुधन का विकास सुनिश्चित करना है।

जींद। टीकाकरण अभियान की टीम। फोटो : हरिभूमि

समय पर करवाएं पशुओं का टीकाकरण

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डा. सूर्या ने बताया कि विभाग का संकल्प है कि रोगमुक्त पशुधनए समृद्ध पशुपालक और सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को साकार करना है। पालन एवं डेयरी विभाग जिला जींद के सभी पशुपालकोंए डेयरी संचालकों एवं गोशाला प्रबंधकों से आग्रह करता है कि वे इस विशेष टीकाकरण अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने सभी पात्र पशुओं का समय पर टीकाकरण अवश्य करवाएं।

प्रदीप कुमार बने उप कृषि निदेशक

ढांड। गांव कौल के जय भगवान के सुपुत्र प्रदीप कुमार दीक्षित का उप कृषि निदेशक पद पर चयन होने से पूरे गांव कौल, जिला कैथल और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनकी उपलब्धि पर ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों, कृषि विभाग के अधिकारियों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। प्रदीप कुमार दीक्षित ने वर्ष 2008 में कृषि विभाग हरियाणा में कृषि विकास अधिकारी के पद पर अपनी सेवाएं शुरू की थीं। अपने कर्तव्यनिष्ठ, मेहनती एवं ईमानदार कार्यकाल के दौरान उन्होंने कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

प्रदीप दीक्षित

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

यह चिंताजनक बात है कि प्रकृति की निकटता का महत्व समझते हुए भी आज के समय में अधिकांश लोग उससे दूर होकर दिन के कई घंटे विभिन्न डिजिटल स्क्रीन के साथ बिताते हैं। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें प्रकृति के सान्निध्य में रहना चाहिए। साथ ही उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प भी हमें लेना चाहिए।

प्रकृति से जुड़ाव सुधारेगा स्वास्थ्य बेहतर होगा पर्यावरण

कवर स्टोरी / स्नेहा सिंह

आज हम सब तकनीक के उन्नत दौर में जी रहे हैं। स्मार्टफोन, लैपटाप, टैबलेट और टेलीविजन जैसे उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा ने हमें धीरे-धीरे प्रकृति से दूर भी कर दिया है। सुबह आंख खुलते ही हाथ मोबाइल तक पहुंचता है और रात में नींद आने तक स्क्रीन हमारी आंखों के सामने रहती है। ऐसा लगता है मानो आधुनिक जीवन का हर पल किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ गया हो।

तकनीक का नकारात्मक प्रभावः तकनीक ने संचार, शिक्षा, व्यापार और मनोरंजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। लगातार स्क्रीन के सामने रहने की आदत ने हमारे शरीर और मन दोनों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा अर्थ है, कुछ समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के करीब जाना जरूरी है।

बहुत कारगर है नेचर हीलरः आज विज्ञान भी यह स्वीकार कर चुका है कि प्रकृति केवल सौंदर्य निहारने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली चिकित्सक की तरह भी होती है। पेड़, हरियाली, खुला आकाश, मिट्टी और ताजी हवा हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं होते हैं। जब कोई व्यक्ति प्रकृति के बीच समय बिताता है, तब उसके शरीर में कई सकारात्मक जैव-रासायनिक परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बगीचे में घास पर नंगे पैर चलना अत्यंत लाभदायक है। इस प्रक्रिया को अर्थिंग या ग्राउंडिंग कहा जाता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य का पृथ्वी से सीधा संपर्क लगभग समाप्त कर दिया है। डामर की सड़कें, सीमेंट के फर्श और रबर के जूते हमें प्रकृति से अलग कर चुके हैं। जबकि हमारे पैरों के तलवों में शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़े तंत्रिका बिंदु होते हैं। घास और मिट्टी पर चलने से इन बिंदुओं पर प्राकृतिक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

प्रकृति केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। पेड़-पौधे वातावरण में फाइटोनसाइड्स नामक जैविक रसायन छोड़ते हैं। ये तत्व मनुष्य के शरीर में जाकर श्वेत रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। नीम, पीपल, बरगद और अन्य विशाल वृक्ष केवल छाया देने का काम नहीं करते, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध बनाकर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। यही कारण है कि गांवों और हरियाली वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य अकसर बेहतर पाया जाता है।

स्क्रीन की लत से बिगड़ता स्वास्थ्यः अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस का ज्यादातर काम कंप्यूटर पर होता है, खाली समय मोबाइल पर स्क्रॉल करते बीतता है और मनोरंजन टेलीविजन या ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। परिणामस्वरूप शरीर लगातार कृत्रिम रोशनी के संपर्क में रहता है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव डालती है। इससे आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन बढ़ने लगता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से सिरदर्द, गर्दन और कंधों में दर्द तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चे हों या बड़े, लगभग हर आयु वर्ग इसके दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है।

सबसे गंभीर प्रभाव हमारी नींद पर पड़ता है। रात में देर तक मोबाइल देखने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। धीरे-धीरे यह स्थिति तनाव, अवसाद और चिड़चिड़ेपन का कारण बन जाती है।

आंखों-मस्तिष्क को मिले आरामः लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। हमारा ध्यान केवल

नजदीकी वस्तुओं पर केंद्रित रहता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति हरियाली और दूर तक फैले प्राकृतिक दृश्यों को देखता है, तो आंखों को आराम मिलता है।

हरा रंग आंखों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। प्रकृति की हरियाली आंखों की थकान कम करती है और मानसिक तनाव को भी घटाती है। यही कारण है कि पार्क में कुछ समय बिताने के बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत और ताजगी से भरा महसूस करता है।

पौधों के संग बिताएं समयः आज के दौर में लोग अधिकांश समय डिजिटल दुनिया से जुड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में यदि हम प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं तो अपने शरीर और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बना सकते हैं। इसके लिए हम रोज कुछ समय अपने गार्डन में या बालकनी के गमलों में लगे पौधों की देखभाल कर सकते हैं। सुबह-शाम उनको पानी दे सकते हैं। उनकी मिट्टी की गुड़ाई कर सकते हैं, उसकी सफाई कर सकते हैं। इससे आपको पेड़-पौधों के करीब रहने का अवसर मिलेगा। यही नहीं आप रोज सुबह-शाम अपने आस-पास के किसी पार्क में वॉक करने जा सकते हैं। कुछ देर वहां की ताजी हवा में सांस ले सकते हैं। पेड़ों के झुरमुट में पक्षियों के कलरव को सुन सकते हैं। यकीन मानिए, पूरे दिन में से प्रकृति के करीब बिताए गए कुछ मिनट आपको न केवल ताजगी से भर देंगे, आपको प्रकृति की महत्ता का अहसास भी कराएंगे। जाहिर है, इससे आप प्रकृति के प्रति, अपने आस-पास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आप उसको स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी प्रेरित होंगे। *

विशेषः विश्व साइकिल दिवस 3 जून

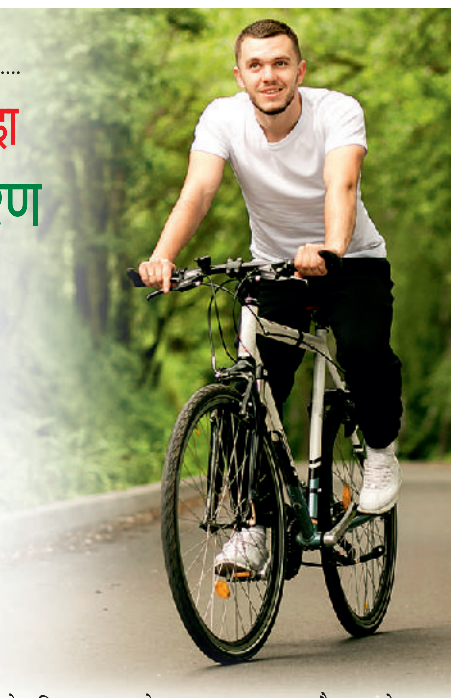

साइकिलिंग का डबल फायदा स्वस्थ शरीर-शुद्ध वातावरण

भले ही आज की फास्ट लाइफ में साइकिल चलाना कम ही लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसे चलाने से न केवल स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे मिलते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी यह मददगार है। इससे होने वाले तमाम फायदों पर एक नजर।

अवेयरनेस / नम्रता नदीम

आज के दौर में खान-पान में होने वाले बदलाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवन में बढ़ते तनाव के कारण कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए डॉक्टर्स स्वस्थ रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी को बेहद जरूरी मानते हैं। इन एक्टिविटीज में साइकिलिंग को बहुत कारगर माना जाता है, जिसे करके हम न केवल वजन घटा सकते हैं, कई बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आस-पास के वातावरण को भी प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

वातावरण को लाभः साइकिल में पेट्रोल, डीजल या किसी अन्य प्रकार का ईंधन इस्तेमाल नहीं होता है। इसलिए इससे वायु प्रदूषण बिल्कुल नहीं होता है। इसमें बिजली का भी यूज नहीं होता, इस तरह एनर्जी की बचत होती है। इसमें तेज आवाज वाले हॉर्न नहीं होते हैं, इससे ध्वनि प्रदूषण भी नहीं होता है। इसका आकार छोटा होता है, इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है।

उपयुक्त समय-स्थानः साइकिल चलाने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि खाली पेट साइकिल चलाने से बॉडी फैट जल्दी बर्न होता है। शुरुआती दौर में सीधी सपाट रोड पर साइकिलिंग और बाद में ज्यादा कैलोरीज बर्न करने के लिए, वजन घटाने के लिए चढ़ाई पर भी साइकिलिंग की जा सकती है। जिस समय साइकिल चला रहे हों, अपने पोस्चर पर फोकस करें। साइकिल चलाते समय एक ही पोस्चर में न रहकर उसमें बदलाव करते रहें ताकि शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी जोर पड़े।

पैडलिंगः साइकिलिंग के रुटीन को शुरू करने से पहले कहां से पैडलिंग करनी है और कहां आराम से राइड करना है, यह ध्यान रखना जरूरी है। पैरों की मदद से जब पैडलिंग की जाती है तो पैर ऊपर से नीचे की तरफ एक्टिविटी करते हैं। इससे पैरों की मसल्स से लेकर शरीर के निचले हिस्से और ऊपर के हिस्से की मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है।

होने वाले स्वास्थ्य लाभः साइकिलिंग दिल के स्वास्थ्य के लिए बहुत बेहतर एक्सरसाइज है। इससे ब्लड सर्कुलेशन से जुड़े जोखिम को कम कर सकते हैं। जो लोग ऑफिस या किसी दूसरे स्थान पर दिन भर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए साइकिलिंग इसलिए भी बेहतरीन एक्सरसाइज है, क्योंकि इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। साइकिल चलाने से इंसुलिन लेवल कम होता है। प्रतिदिन एक घंटे अगर साइकिलिंग की जाए तो 500 कैलोरी बर्न होती है और इससे वजन भी जल्दी कम होता है। विभिन्न शोध इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पुरुषों ही नहीं महिलाओं के लिए भी साइकिलिंग एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। यह उनमें ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करती है। जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करने के लिए भी साइकिलिंग काफी फायदेमंद होती है। अर्थराइटिस में भी यह एक अच्छी एक्सरसाइज है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। साइकिलिंग से हमें डिप्रेशन और टेंशन कम होता है।

बुजुर्गों के लिए फायदेमंदः जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण व्यायाम करना मुश्किल होता है। लेकिन उम्र बढ़ने के बावजूद साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो आसानी से हो सकता है और जिसके कई फायदे हैं। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि साइकिल चलाने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है। साइकिल चलाने से ओल्ड एज में भी निरोगता बढ़ती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों में कैंसर, हृदय रोग और समय पूर्व मृत्यु की आशंका कम होती है। साइकिलिंग से पहले अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट डाइट लें। इस दौरान आप स्नैक्स भी ले सकते हैं। साइकिलिंग करते समय हाइड्रेट रहें। जो लोग सामाजिक रूप से दूसरों से अलग रह रहे हैं, इस उम्र में उनमें अवसाद की आशंका रहती है। इसलिए फ्रेंड्स के साथ साइकिलिंग करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि आप खुशमिजाज जीवन जी सकते हैं। *

विशेषः तंबाकू निषेध दिवस 31 मई

इसलिए नहीं छूटती तंबाकू की लत

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक होता है। ऐसे में केवल एक दिन ही नहीं हर रोज अनेक स्तरों पर प्रयास करने, लोगों को जागरूक किए जाने की जरूरत है।

प्रिकॉशन / लोकमित्र गौतम

हर साल 31 मई को दुनिया भर में 'वर्ल्ड नो टोबेको-डे' यानी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि यह दिवस जोर-शोर से मनाए जाने के बावजूद आखिरकार दुनिया तंबाकू की जानलेवा गिरफ्त से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है?

चिंता बढ़ाते आंकड़ेः दुनिया भर में तंबाकू का सेवन लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोग सीधे तंबाकू सेवन के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं, जबकि 12 से 13 लाख लोग परोक्ष धूम्रपान यानी धूम्रपान करने वाले लोगों के साथ रहने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

कई बीमारियों की वजहः कुछ लोगों को लगता है कि तंबाकू केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सच्चाई यही नहीं है। सच यह है कि तंबाकू सबसे ज्यादा तरह के कैंसर होने का कारण है। तंबाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होता है, मुंह का कैंसर, गले और जीभ का कैंसर, स्वर यंत्र का कैंसर, अन्न नली, पेट और अग्नयाशय का कैंसर, ये सभी तरह के कैंसर विशेषकर भारत में गुटखा, खैनी और जर्दा खाने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा भी तंबाकू के सेवन से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और हृदय की धमनियों का संकुचन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। तंबाकू के लगातार सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो जाती है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। घाव मुश्किल से भरते हैं। अगर गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं, तो समय से पहले प्रसव की समस्या पैदा हो जाती है, पैदा होने वाले बच्चे का वजन बहुत कम रह जाता है, गर्भपात का खतरा 30 फीसदी ज्यादा बढ़ जाता है और नवजात की मृत्यु का जोखिम सामान्य से कई गुना ज्यादा हो जाता है। इस तरह देखें तो तंबाकू के सेवन से एक नहीं अनेक तरह के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

युवाओं में बढ़ा ट्रेंडः दुनिया में तंबाकू का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। अगर विशेष तौर पर युवाओं की बात करें तो वे फिटनेस एप डाउनलोड कर रहे हैं, जिम जा रहे हैं, ऑर्गेनिक भोजन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन सिगरेट, गुटखा और विभिन्न निकोटिन उत्पादनों की लत से निकल नहीं पा रहे। पहले जहां बीड़ी और सिगरेट ही युवाओं को गिरफ्त में लेने के दो बड़े तंबाकू उत्पाद थे, वहीं अब फ्लेवर्ड वेप, ई-सिगरेट, निकोटिन पाउच और न जाने कितने आकर्षक पैकेजिंग वाले तंबाकू उत्पाद बाजार में आ गए हैं, जिनके मोहजाल से युवा तो छोड़िए, किशोर भी नहीं छूट पा रहे। कंपनियां इन्हें कूल, स्टाइलिश और तनाव दूर करने वाला बताकर पेश करती हैं। सोशल मीडिया पर फिल्मों, वेब सीरीज और इंफ्लूएंसर संस्कृति ने भी धूम्रपान को एक नई तरह के ग्लैमर से जोड़ दिया है। इसलिए यंगस्टर्स इसकी गिरफ्त में बढ़ते जा रहे हैं।

कारगर नीति की है कमीः भारत की स्थिति तो विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहां धूम्रपान के अलावा चबाने वाले तंबाकू का भी एक भारी-भरकम बाजार है। गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और सुगंधित निकोटिन उत्पाद, गांवों से लेकर महानगरों तक युवाओं की कमजोरी बनकर रह गए हैं। सरकार एक तरफ तो तंबाकू के सेवन पर बहुत चिंतित होती है, दूसरी तरफ हर तरह के तंबाकू उत्पाद गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह इतनी आसानी और इफरात में उपलब्ध हैं कि जरा-सा इनकी तरफ कोई फिसला नहीं कि हमेशा के लिए इसके चक्रव्यूह में फंसकर रह जाता है।

हद तो यह है कि जैसे-जैसे विकास के नाम पर, आधुनिकीकरण के नाम पर, तेज रफ्तार लाइफस्टाइल के नाम पर, लोग स्मार्ट हो रहे हैं, वैसे-वैसे तंबाकू उत्पादन के सेवन को सामान्य आदत मानते जा रहे हैं। इसीलिए हर साल 'नो टोबेको-डे' की रस्म अदायगी के बावजूद तंबाकू का सेवन पूरी दुनिया में दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल प्रतिबंध से बात नहीं बनने वाली बल्कि धूम्रपान के विरुद्ध एक जन सांस्कृतिक अभियान की जरूरत है, तब कुछ असर होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी के व्यंग्यों का नया संग्रह 'बाराखड़ी' हाल में छपकर आया है। इसमें कुल 61 व्यंग्य संकलित हैं। पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा है कि पिछली सदी की तुलना में इस सदी के तेजी से बदलते दौर में व्यंग्य लेखन की शैली का बदलना भी जरूरी है। इस संग्रह के व्यंग्यों से गुजरते हुए, उनकी यह बात सही साबित होती है। विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से ग्रस्त समाज की विडंबनाओं के नए-नए चेहरों को लेखक ने नए अंदाज में व्यंग्यों में अनावृत्त किया है। 'घोटालातुर' व्यंग्य में वे आम लोगों की मानसिकता पर सटीक कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'सभी कर रहे हैं, सब तरफ हो रहा है तो समय रहते मैं भी कर डालूं, यह सोचा है।' राजनीति किस तरह भोले-भाले इंसान के भरोसे के साथ खिलवाड़ करती है, और फिर वह हतप्रभ होकर अपना मार्ग बदल लेता है, इसे 'नारा रिपेयरिंग सेंटर' में पढ़ा जा सकता है। 'वह सालों तक खुशफहमी पाले रहा कि नारों पर अमल करके एक दिन यह देश बदल जाएगा, यहां क्रांति होगी।' पुस्तक के लगभग सभी व्यंग्य हमें झिंझोड़कर हमारी वह तस्वीर दिखाते हैं, जिन्हें देखने से हम बचना चाहते हैं। *

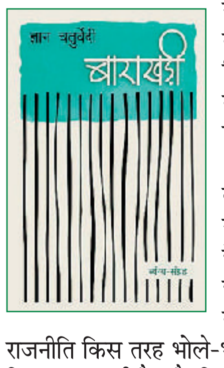

पुस्तकः बाराखड़ी (व्यंग्य-संग्रह), **लेखकः** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

कहानी / रश्मि वैभव गर्ग

मन का पर्यावरण

सोमेश जी को जब मालूम हुआ कि घर के नवीनीकरण के लिए उनका पुराना साथी नीम का पेड़ कटने वाला है तो वे बहुत बेचैन हो गए। अपनी मनोदशा उन्होंने अपने पौत्र से साझा की। फिर जो हुआ, वे सुखद एहसास से भर गए।

सोमेश जी का मन आज कुछ व्याकुल-सा था। आज सुबह, उनका पुत्र राहुल और उनकी पुत्रवधु, घर के नवीनीकरण का प्रस्ताव लेकर उनके पास आए थे। दोनों ही पति-पत्नी नवीनीकरण को लेकर काफी उत्साहित थे, तकरीबन सब कुछ तय करके ही आए थे। बस सोमेश जी की सहमति की मुहर लगवाना चाहते थे।

अपने बेटे-बहू का उत्साह देखकर सोमेश जी भी खुश थे, लेकिन एक बात जो उनके मन को कचोट रही थी, वह यह थी कि उनके कमरे के बाहर बगीचे में एक पुराना नीम का पेड़ था, उसके कटवाए जाने की बात की जा रही थी।

सोमेश जी के जीवन पर्यंत का साथी, नीम का पेड़, जिसकी टहनियां अकसर उनके कमरे की खिड़की से अंदर आ जाती थीं, जिससे उन्हें लगता था मानो वो उनसे गलबहियां करना चाहती हों। पत्नी सुधा के निधन के बाद, वो नीम ही उनके अकेलेपन का साथी था, जो उनके जीवन के हर सुख और दुःख का साक्षी था। कभी-कभी जीवन में ऐसे सान्निध्य मिल जाते हैं, जो न केवल हमारे दिल के करीब होते हैं, वरन् उनसे भावनात्मक जुड़ाव, खून के रिश्तों से भी गहन हो जाता है।

सोमेश जी कभी बच्चों की खुशी से खिला चेहरा देखते, जिसमें घर के नवीनीकरण की तस्वीर सज रही थी, तो कभी अपना नीम के साथ बिताया एकाकीपन। अपने पिता की स्मृति को वो यूं भी खोना नहीं चाहते थे। बचपन से उस नीम की छांव तले ही तो बड़े हुए थे वे।

सोमेश जी चाहते थे कि घर के नवीनीकरण में उनका पुरातन साथी नीम का पेड़ भी बना रहे, जिससे वो अपना सुख-दुःख बांट सकें।

सोमेश जी अपनी दुविधा अपने बेटे-बहू से कह नहीं पा रहे थे। शायद दुविधायुक्त मन अपने करीबी लोगों को ढूंढ़ ही लेता है, इसलिए, सोमेश जी को अपने पौत्र पलाश की याद आई। पलाश इसी वर्ष इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में चला गया था। सोमेश जी ने पलाश को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सही साथी माना, लेकिन अपनी बात उन्हें फोन पर कहना उचित नहीं लगा। उन्होंने पलाश को एक पत्र लिखा।

प्रिय बेटा पलाश,

स्नेहाशीष

आशा है तुम कुशल होगे। शायद यह तुम्हारे जीवन का पहला खत होगा, आज की डिजिटल दुनिया में खतों का अस्तित्व मिट-सा गया है। लेकिन आज भी मुझे यह ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लग रहा है, जिसमें मैं अपने आप को सहज महसूस कर रहा हूं। मेरे मन में एक कसक है, जिसको मैं तुमसे बांटना चाहता हूं। तुम्हारे माता-पिता घर का नवीनीकरण करवाना चाहते हैं, जिसमें वो नीम के पेड़ को कटवाना चाहते हैं। तुम जानते हो इस नीम से मुझे गहरा लगाव है, उसकी जड़ें मेरे जीवन की जड़ों से जुड़ी हैं। वो मेरे अकेलेपन का साथी है, साथ ही मेरे पिता द्वारा लगाया गया स्नेह भी है, जिसकी छाया में मैं बड़ा हुआ हूं। इस स्नेह को मैं भावी पीढ़ियों को भी हस्तांतरित करना चाहता हूं। मुझे उस पेड़ से भावनात्मक प्रेम है। आशा है तुम मेरे एहसास समझोगे बेटा और कोई उपयुक्त हल निकालोगे। यह पेड़ न केवल मेरी आत्मा से जुड़ा है वरन् हमारे घर के पर्यावरण और सकारात्मकता का प्रतिबिंब भी है।

असीम स्नेह के साथ

तुम्हारा दादा जी

सोमेश जी ने अपने मन के भाव खत में उकेर कर उसकी फोटो लेकर, पलाश को भेज दिया। सोमेश जी, बेसब्री से पलाश की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे। सृष्टि में एकाकी कोई नहीं, आज सोमेश जी को नीम का पेड़ अपने अकेलेपन का साथी लग रहा था, जिसके बचाव के लिए उन्होंने अपने दूसरे साथी पलाश को चुना। जीवन यात्रा में हर पड़ाव पर मन का साथी चाहिए।

कुछ समय पश्चात ही पलाश का व्हाट्सएप पर मैसेज आया, सोमेश जी ने तुरंत अपना फोन खोला और बेसब्री से उसे पढ़ना शुरू किया-

आदरणीय दादा जी

सादर अभिवादन

मैं कितना भाग्यशाली हूं कि जीवन में पहली चिट्ठी मुझे आपकी मिली, जिससे मुझे न केवल पत्रों का वजूद पता चला, बल्कि आपके स्नेहपूर्ण जज्बात भी पता चले। आप घर में सबसे बड़े हैं, आपकी भावनाएं घर के नवीनीकरण से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। नीम का पेड़ न केवल आपके जीवन का साक्षी है, बल्कि मेरे और मेरे पापा के जीवन का भी साक्षी है, तो ऐसे पेड़ को हम कैसे कटवा सकते हैं? साथ ही नीम रात्रि में ऑक्सीजन छोड़ने वाला पेड़ है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक भी है। मैं तीन दिन बाद घर आ रहा हूं। आकर मां, पापा से पेड़ को नहीं काटने की बात कर लूंगा, उन्हें कहूंगा कि मैं नहीं चाहता कि यह पेड़, जिसकी छांव में मैं बड़ा हुआ हूं, काटा जाए। उन्हें नीम का पर्यावरण में महत्त्व भी बताऊंगा। आप निश्चिंत रहें, और हां दादा जी, हम एक नया पौधा भी लगाएंगे, जिसके छांव तले हमारी भावी पीढ़ियां पल्लवित हों, ताकि उनसे मैं कह सकूं कि यह मेरे दादा जी की अमानत है, जो मेरे घर के पर्यावरण के साथ मेरे जीवन के सभी सुख-दुःख का भी साक्षी रहा है।

आपका सबसे छोटा दोस्त

पलाश

पलाश का ऐसा भावपूर्ण पत्र पढ़कर सोमेश जी की आंखें स्नेह से भर आईं। सोमेश जी सोच रहे थे कि जिस पेड़ की जड़ों में भावों का इतना अकूत खजाना हो, उसकी परवरिश कमतर कैसे हो सकती है। सोमेश जी का सीना गर्व से फूल गया कि पलाश आखिर इसी नीम की छांव में बड़ा जो हुआ है। यह सब सोचकर सोमेश जी मंद-मंद मुस्कुराते हुए सोच रहे थे। पेड़ न केवल पर्यावरण का संतुलन रखते हैं, वरन् मन के आंगन के पर्यावरण का भी भावनात्मक संतुलन बनाए रखते हैं। *

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 मई 2026

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल
ये स्वच्छ-सुंदर गांव

वैसे तो अपने देश में लगभग साढ़े छह लाख गांव हैं। लेकिन इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। अपनी इस उपलब्धि के चलते ये गांव न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, पूरी दुनिया में आदर्श ग्राम के रूप में जाने जाते हैं। एक नजर ऐसे ही कुछ बेमिसाल गांवों पर।

अनुकरणीय / शिखर चंद जैन

भारत के कई ग्रामीण इलाकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति आधारित जीवनशैली के मामले में मिसाल कायम की है। ये गांव प्लास्टिक मुक्त जीवन, हरित ऊर्जा, वृक्षारोपण, संसाधनों के संतुलित उपयोग जैसी गतिविधियों के माध्यम से दुनिया को पर्यावरणीय स्वच्छता की राह दिखा रहे हैं। इनके बारे में जानकर आप भी जरूर प्रेरित होंगे।

ईश्वर का बगीचा मावलिननॉन्ग

मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित मावलिननॉन्ग गांव अपनी अनोखी स्वच्छता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है और इसे 'एशिया का सबसे स्वच्छ गांव' तथा 'ईश्वर का अपना बगीचा' भी कहा जाता है। यह गांव पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली और विशिष्ट खासी संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र है। 'डिस्कवर इंडिया' पत्रिका द्वारा 2003 में इसे एशिया का और 2005 में भारत का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। इस गांव में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है और धूम्रपान भी वर्जित है। यहां के सभी निवासी मिलकर सामुदायिक सफाई करते हैं। सड़कों पर झाड़ू लगाना यहां के ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा है। इस गांव की साक्षरता दर लगभग 90 प्रतिशत है। यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पर्यावरण-पर्यटन है। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इस गांव में कूड़ा इकट्ठा करने के लिए भी प्लास्टिक की बकेट नहीं बल्कि बांस के कूड़ेदान का उपयोग होता है।

एशिया का पहला ग्रीन विलेज खोनोमा

नागालैंड की राजधानी कोहिमा से लगभग 20 किमी. दूर स्थित खोनोमा गांव भारत ही नहीं, पूरे एशिया का पहला ग्रीन विलेज है। यह गांव जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और जैविक खेती के लिए जाना जाता है। अंगामी जनजाति द्वारा बसा यह गांव अपने अदम्य साहस, अनूठी संस्कृति और प्रकृति-संरक्षण के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। खोनोमा के निवासियों ने स्वैच्छिक रूप से शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है और जंगलों, लुप्तप्राय जीवों का संरक्षण शुरू किया है। इसके परिणामस्वरूप 2005 में इसे एशिया का पहला हरित गांव घोषित किया गया। यह स्थान पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन का बेहतरीन केंद्र है। यहां के घर पूरी तरह से लकड़ी, बांस और पत्थरों से बने हुए हैं। गांव में सीढ़ीनुमा धान की खेती की जाती है। यहां का प्राकृतिक नजारा बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। यह गांव तंबाकू और शराब मुक्त क्षेत्र भी है। यहां के निवासियों ने शिकार और वनों की कटाई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाकर एक वन्यजीव अभयारण्य भी विकसित किया है।

स्वच्छता-समृद्धि की मिसाल हिवरे बाजार

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर (अहमदनगर) जिले में स्थित हिवरे बाजार गांव, जल संरक्षण और आत्मनिर्भरता के लिए दुनिया

भर में एक आदर्श ग्राम माना जाता है। पद्मश्री पोपटराव पवार के नेतृत्व में इस गांव ने भयंकर सूखे और पलायन की स्थिति से उबरकर कृषि, स्वच्छता और समृद्धि के मामले में एक नई मिसाल कायम की है। यहां वाटरशेड विकास कार्यक्रम के तहत मिट्टी के 50 से अधिक बांध, चेकडैम और पौधारोपण किया गया। इससे भूजल स्तर इतना ऊपर आ गया है कि भयंकर गर्मी में भी पानी की कमी नहीं होती। सुनियोजित खेती, उन्नत पशुपालन और जल प्रबंधन के कारण गांव के परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हो गए हैं। गांव में चारों तरफ हरियाली है। गांव में हर घर में शौचालय और सीवर लाइन की सुविधा है और इसे पूरी तरह से मच्छर-मुक्त गांव माना जाता है। कभी सूखे से जूझने वाला यह गांव आज जल संरक्षण और वाटरशेड प्रबंधन का मॉडल है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण धरहरा

बिहार के भागलपुर जिले के गोपालपुर प्रखंड में स्थित धरहरा गांव अपनी अनूठी पर्यावरण हितैषी और महिला सशक्तिकरण परंपरा के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस गांव की खास बात यह है कि यहां जब भी किसी घर में बेटी जन्म लेती है, तो परिवार के लोग घर के आंगन या अपने खेतों में कम से कम 10 फलदार पौधे लगाते हैं। जब बेटियां बड़ी होती हैं, तो इन पेड़ों से होने वाली आय उनकी शिक्षा, शादी या अन्य आर्थिक जरूरतों के लिए एक मजबूत सहारा बनती है। इस पुरानी परंपरा के कारण 20,000 से अधिक फलों के पेड़ों की हरियाली के बीच बसा यह गांव पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण का भी एक आदर्श उदाहरण बन गया है। *

ईको-फेमिनिज्म का प्रतीक पिपलांत्री

राजस्थान के राजसमंद जिले का पिपलांत्री गांव अपनी अनूठी 'ईको-फेमिनिज्म' परंपरा के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां बेटियों के जन्म को केवल एक पारिवारिक खुशी नहीं, बल्कि प्रकृति के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। गांव में जब भी किसी बेटी का जन्म होता है, तो सभी ग्रामीण मिलकर उसके सम्मान में 111 पौधे लगाते हैं। यह परंपरा गांव के पूर्व सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल ने अपनी दिवंगत बेटी की याद में शुरू की थी। इस अनूठी पहल के लिए उन्हें पद्म श्री से भी सम्मानित किया जा चुका है। कभी संगमरमर की खदानों के कारण बंजर और जल संकट से जूझने वाला यह गांव, आज तीन लाख से भी अधिक पेड़ों के कारण पूरी तरह हरा-भरा हो चुका है। इससे यहां के भूजल स्तर में भी काफी सुधार हुआ है। यहां बेटियां और महिलाएं पेड़ों को राखी बांधती हैं और उन्हें अपने भाई की तरह सुरक्षा देने का संकल्प लेती हैं। पिपलांत्री का यह मॉडल आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक बदलाव और पर्यावरण संरक्षण की एक मिसाल बन चुका है।

जागरूकता / अंजू जैन

आज पूरी दुनिया पर्यावरणीय संकट का सामना कर रही है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सांगठनिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर अनेक अनूठे-आधुनिक प्रयास शुरू किए गए हैं। क्या है इन प्रयासों की खासियतें, जानिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए
ये अनूठी पहल हैं सराहनीय

पर्यावरण संकट आज एक वैश्विक समस्या बन चुका है। जल, भूमि और वायु प्रदूषण पर्यावरण-असंतुलन के प्रमुख कारण हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए दुनिया भर में कई अत्याधुनिक और कारगर उपाय अपनाए जा रहे हैं।

ग्रीन रूफ प्रोग्राम: अमेरिका और यूरोप के कई शहरों में इमारतों की छतों पर बगीचे बनाने की पहल की जा रही है, जो शहरी तापमान को कम करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में मदद करती है।

ग्रेट ग्रीन वॉल (अफ्रीका): यह सहारा मरुस्थल के विस्तार को रोकने के लिए अफ्रीका के 11 देशों में बनाई जा रही 8,000 किलोमीटर लंबी पेड़ों की एक विशाल

दीवार या कहें ग्रीन बेल्ट है, जो बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है।

वर्टिकल गार्डंस: भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में भी खास तौर से शहरों में इमारतों की दीवारों पर बगीचे बनाए जा रहे हैं। ये वर्टिकल गार्डंस हवा को शुद्ध करने और तापमान कम करने में मदद करते हैं।

बंदरगाहों के लिए कचरा पात्र सीबिन: सीबिन एक इनोवेटिव, तैरता हुआ कचरा पात्र है, जिसे विशेष रूप से बंदरगाहों, मरीन यॉट क्लबों और शांत जलक्षेत्रों से समुद्री प्रदूषण को साफ करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक प्रभावी समाधान है। इस अनोखे कचरा पात्र को ऑस्ट्रेलियाई सर्फर्स एंड्रयू टर्टन और पीट सेग्लिंस्की द्वारा विकसित किया गया है।

प्लास्टिक का विकल्प एयरकार्बन: एयरकार्बन एक अनोखी जैव-सामग्री है, जिसे न्यूलाइट टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित किया गया है। यह तकनीक हवा में मौजूद ग्रीनहाउस गैसों (जैसे- मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड) को एक उपयोगी, कार्बन निगेटिव प्लास्टिक जैसी सामग्री में बदल देती है। यह एक थर्मोप्लास्टिक सामग्री है, जिसका उपयोग बैग, सेल फोन केस, कंटेनर, फर्नीचर, फैशन उत्पाद आदि बनाने में किया जा रहा है। एयरकार्बन प्राकृतिक रूप से नष्ट होने योग्य (बायोडिग्रेडेबल) है। यह प्लास्टिक का एक बेहतरीन टिकाऊ और ईकोफ्रेंडली विकल्प है।

गन्ने से बनी बोतलें वेगनबॉटल: ये बोतलें गन्ने की पेराई के बाद बचे हुए कचरे (वेस्ट) से निर्मित की जाती हैं। ये बोतलें गन्ने से प्राप्त नवीकरणीय कच्चे माल (बायो-पॉलीमर) से बनी होती हैं। ये गन्ने से बनी बोतलें स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होती हैं, क्योंकि इनमें बिसफेनोल और अन्य हानिकारक रसायन नहीं होते। इन बोतलों में प्लास्टिक की गंध या स्वाद नहीं आता। पारंपरिक प्लास्टिक के विपरीत, गन्ने से बनी बोतलें 180 दिनों के भीतर विघटित हो सकती हैं।

फूड वेस्ट से एनर्जी प्रोडक्शन: फूड वेस्ट को मलबे या कचरे के रूप में फेंकने के बजाय उसे बायोगैस फ्यूल और जैविक खाद में बदलना एक उपयोगी और पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रिया है। इस तकनीक को अवायवीय पाचन (अनएरोबिक डाइजेशन) कहा जाता है। इस बायोगैस का उपयोग खाना पकाने,

बिजली उत्पादन, या बायो-सीएनजी के रूप में किया जा सकता है।

जलकुंभी से बायोचार सीड बॉल्स: जलकुंभी से बायोचार (एक विशेष प्रकार का चारकोल) सीड बॉल्स बनाना एक टिकाऊ कृषि और पर्यावरणीय पहल है। यह न केवल हानिकारक जलकुंभी का निपटान करता है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य और फसल की पैदावार में सुधार के लिए एक प्रभावी समाधान भी है। जलकुंभी बायोचार सीड बॉल्स मिट्टी में पोषक तत्व, नमी और कार्बन को बनाए रखने में मदद करती हैं। इसका उपयोग जल शोधन के दौरान डाई और प्रदूषकों को हटाने के लिए भी किया जा सकता है। *

ट्रेंड / प्रतिमा अरोड़ा

सिर्फ प्रोटेक्शन नहीं फैशन भी है सनस्क्रीन

आज की तारीख में जेन-जी यानी 18 से 28 की उम्र वाले लड़के-लड़कियां सनस्क्रीन को सिर्फ स्किन प्रोटेक्शन का जरिया ही नहीं मानते बल्कि उनके लिए यह स्मार्टनेस और स्टाइलिश होने का भी जरिया है। इसलिए कॉलेज कैंपस से लेकर कॉफी कैफे, जिम, मेट्रो ट्रैवल के दौरान और सोशल मीडिया की फोटो गैलरी में, युवाओं की ज्यादातर गर्मियों की तस्वीरें एसपीएफ यानी सन प्रोटेक्शन फैक्टर की चर्चा और उसके लगे बिना अधूरी समझी जाती है।

सोशल मीडिया प्रेशर: आज की तारीख में चाहे फैशन हो या ब्यूटी ट्रेंड, सोशल मीडिया के प्रभाव से कुछ नहीं बचा। क्योंकि जब तक आपकी खूबसूरती की वाहवाही दिलाने वाली कोई फोटो इंस्टाग्राम या यू-ट्यूब शॉर्ट्स में न दिख जाए, तब तक युवाओं को उसके होने की फीलिंग ही नहीं होती। यही बात उनकी ब्यूटी स्टाइल पर भी लागू होती है। जैसे ही वह सजते-संवरते हैं, तुरंत अपनी एक फोटो खींचकर सोशल मीडिया में डाल देते हैं। हाल के सालों में ब्यूटी इंफ्लूएंसर्स ने युवाओं का कुछ इस तरह से ब्रेन बॉश किया है कि उन्हें लगता है कि ग्लोइंग स्किन केवल मेकअप से ही नहीं बल्कि स्किन की सुरक्षा से भी आती है। यही वजह है कि आजकल यूथ सनस्क्रीन का सिर्फ धूप से बचने के लिए ही नहीं इस्तेमाल करता बल्कि स्किन को ग्लो करने के लिए भी यह जरूरी माना जाने लगा है।

हो रहे हैं पॉपुलर: बाजार में टिंटेड सनस्क्रीन, जैल बेस्ड एसपीएफ प्रोडक्शन बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आज की तारीख में जिम जाने वाले युवा चाहे लड़के हों या लड़कियां, बिना सन प्रोटेक्शन और ढेर सारा परफ्यूम लगाए नहीं जाते। यही हाल बाइक राइडिंग या आउटडोर स्पोर्ट्स खेलने वालों का भी है। दरअसल, ये सनस्क्रीन को स्किन शील्ड समझने लगे हैं, विशेषकर छोटे शहरों और कस्बों में तो इसका कोई दूसरा विकल्प ही नहीं दिखता।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट: विशेषज्ञों का मानना है कि अपने देश जैसी परिस्थितियों में युवाओं को 50 फीसदी सुरक्षा देने वाले एसपीएफ का ही इस्तेमाल करना चाहिए। हल्की धूप में इसके इस्तेमाल को आदत नहीं बनाना चाहिए और हर दो-तीन घंटे के बाद सनस्क्रीन को धो देना चाहिए, इसके बाद फिर से उसे लगाना चाहिए। समुद्र किनारे घूमने या पहाड़ों पर सैर-सपाटे के लिए निकलते समय इसे अप्लाई करना स्किन केयर के लिहाज से फायदेमंद है। *

फैशन जोन
संध्या सिंह

तपती गर्मी के इस मौसम में यंगस्टर्स को लाइट और कंफर्टेबल फुटवियर ही भा रहे हैं। इनमें से कौन से हैं सबसे ट्रेंड में, जानिए।

इस सीजन में यंगस्टर्स की पसंद
लाइट-कंफर्टेबल फुटवियर

तपती धूप, बहता पसीना, लगातार आसमान से बरसती आग। गर्मियों में फैशन से पहले आराम का ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए आमतौर पर बंद और फैशनेबल जूतों के शौकीन युवा भी इन दिनों हल्के-फुल्के, आरामदायक और जिनसे होकर हवा आर-पार गुजर जाती है, ऐसे फुटवियर की तलाश में रहते हैं। कॉलेज कैंपस से लेकर मेट्रो स्टेशन और ट्रैवल ब्लॉग तक हर जगह इन दिनों आरामदायक फुटवियर्स को ही तरजीह दी जा रही है। यही कारण है कि समर सीजन का सबसे बड़ा ट्रेंड कंफर्ट फैशन बन चुका है।

स्लाइडर्स-स्नीकर्स: इन गर्मियों में सबसे ज्यादा लोकप्रियता स्लाइडर्स और हल्के स्नीकर्स को मिल रही है। स्लाइडर यानी खुले रबर या फोम वाले आरामदायक फुटवियर। आजकल इन्हें युवा कैजुअल ड्रेसेस के साथ खूब पसंद कर रहे हैं। इन्हें एयरपोर्ट लुक, कॉलेज फैशन और ट्रैवल स्टाइल का भी तमगा मिल चुका है। गर्मियों में इन्हें पहनकर पैरों को पर्याप्त हवा मिलती रहती है। लड़कियां और लड़के दोनों ही इन्हें जींस, कुर्ती, ट्राउजर और यहां तक कि इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस के साथ भी पहन रहे हैं।

कोल्हापुरी-प्लेटफॉर्म चप्पलें: युवाओं के बीच इन गर्मियों में कोल्हापुरी, स्ट्रेपी सैंडल और प्लेटफॉर्म चप्पलों का ट्रेंड भी लौटकर आया है। वास्तव में गर्मियों में फुटवियर चुनते समय अब युवा फैशन के साथ-साथ हेल्थ को भी इंपॉर्टेंस देते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि लंबे समय तक बहुत टाइट या भारी जूते पहनने से पैरों में पसीना और फंगल इंफेक्शन के कारण दर्द की समस्या परेशान करती है। यही कारण है कि सांस लेने योग्य यानी ब्रीदेबल मैटीरियल वाले फुटवियर की मांग भी है। यही कारण है कि फैब्रिक और लाइट फोम के बने फुटवियर इन गर्मियों में खूब पसंद किए जा रहे हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग का असर: बाजार के जानकारों का मानना है कि फैशन केवल खरीदारों की मर्जी से नहीं बदलता बल्कि बाजार अपने को नया करते रहने के क्रम में खुद भी नए फैशन इंट्रोड्यूस करता है ताकि उसकी टारगेट बिक्री का सिलसिला बना रहे। यही कारण है कि इस साल ऑनलाइन शॉपिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में भी अपनी बिक्री को नई ऊंचाइयां देने के लिए गर्मी के लिए कई तरह के फुटवियर लांच किए हैं। जो छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक में युवाओं को भा रहे हैं और ये उनकी ऑनलाइन शॉपिंग को भी अच्छी ड्राइव दे रहे हैं।

लेकिन ऑनलाइन बाजार बहुत स्मार्ट होता है। वह जानता है कि ऑनलाइन बाजार में वही चीज होगी, जो नई होगी, जिसमें फैशन और स्टाइल की ताजगी होगी और सबसे बड़ी बात जो बजट में होगी। कुल मिलाकर समर फुटवियर केवल फैशन तक सीमित नहीं है। इसमें आराम, स्वास्थ्य, मौसम और बजट का भी ध्यान रखा गया है।

इन बातों का रखें ध्यान: इस सीजन में फुटवियर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे- बहुत टाइट जूते खरीदने से बचें। ऐसे मैटीरियल के फुटवियर चुनें, जिनमें हवा आर-पार आराम से होती हो। लंबे समय तक पहनने के लिए हल्के फुटवियर बेहतर होते हैं। ऐसे जूते न पहनें जिनको पहनने से पसीना आता हो। केवल फैशन नहीं, पैर के आराम का ध्यान रखना भी जरूरी है। *

अपने आरंभिक दौर से ही प्रेम हिंदी फिल्म मेकर्स का पसंदीदा सब्जेक्ट रहा है। शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर आज भी प्रेम कहानियों को बदलते रूपों में पेश किया जाता रहा है। प्रेम पर आधारित अलग-अलग दौर की कुछ फेमस फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर में रहा बरकरार
लव-बेस्ड फिल्मों का जलवा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

अपने आरंभिक दौर से लेकर आज तक भी प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय माना जाता रहा है। बॉलीवुड में बनी ज्यादातर फिल्मों की कहानियां प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही बुनी गई हैं। जब आम जिंदगी की प्रेम कहानियां पर्दे पर उतरती हैं, तो वे 'लार्जर देन लाइफ' यानी जिंदगी से बड़ी नजर आने लगती हैं। दर्शक फिल्मों के जरिए अपने ही अधूरे सपनों और कल्पनाओं को जीने की कोशिश करते हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर रोमांटिक फिल्मों की सफलता का बड़ा कारण है। लेकिन प्रेम का स्वरूप फिल्मों में बदलता रहा है।

प्रेम का आदर्श रूप: 1930 से 1950 का दशक आदर्शवाद और सामाजिक बंधन का रहा। उस दौर में प्रेम कहानियों को सामाजिक बंधनों और पारिवारिक मूल्यों के आइने में देखा जाता था। 'देवदास' जैसी फिल्मों ने उस कालखंड में प्रेम, त्याग और सामाजिक वर्जनाओं के बीच के संघर्ष को बेहद आदर्शवादी और भावनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रेम का यथार्थवादी ढंग: 1960 से 1970 का दशक यथार्थवाद और समकालीनता का रहा। आजादी के शुरुआती दौर के बाद का यह दशक प्रेम कहानियों से दोबारा गुलजार हुआ। उस दौरान 'मुगल-ए-आजम', 'प्रेम कहानी' जैसी फिल्में बनीं। इस दौर की फिल्मों में प्यार के साथ-साथ व्यक्तिगत संघर्षों, दोस्ती और बदलते पारिवारिक ढांचों के जटिल पहलुओं को अधिक यथार्थवादी ढंग से पेश किया गया।

सिनेमाई रोमांस का सुनहरा दौर: 1980 से 1990 का दशक हिंदी सिनेमा में प्यार और रोमांस का स्वर्ण काल माना जा सकता है। 'मैंने प्यार किया' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने युवा सोच को काफी प्रभावित किया। उस दौर की अधिकतर फिल्मों में प्रेम, संगीत, नृत्य और पारिवारिक मूल्यों का ऐसा मिश्रण हुआ करता था, जिसने प्रेम को एक बेहद सुखद और आशावादी दृष्टिकोण प्रदान किया।

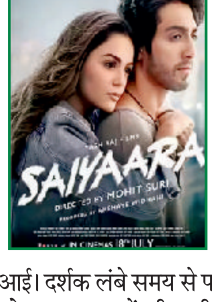

प्रेम का आधुनिक-परिपक्व रूप: साल 2000 के बाद के दौर में फिल्मों में प्रेम कहानियों के साथ-साथ विविधता और सामाजिक मुद्दे उठाए गए। नई सदी आते ही प्रेम कहानियों में सामाजिक मुद्दे हावी होने लगे। 'गदर: एक प्रेम कथा' और 'तेरे नाम' जैसी फिल्मों ने दिखाया कि कैसे प्यार, देशभक्ति और सामाजिक संघर्षों के बीच पिसता है।

न्यू-जनरेशन के प्यार को परिभाषित करने के लिए 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ऐ हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेक अप सिड', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी 2', 'मसान' और 'तमाशा' जैसी कई सारी फिल्में आईं, जिसने प्यार के आधुनिक और परिपक्व रूपों को सामने रखा।

ताजी हवा के झोंके जैसी-सैयारा: आज के दौर में जहां बॉक्स ऑफिस और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स हिंसा, अपराध गाली-गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज से अटे पड़े हैं, वहां पिछले साल रिलीज फिल्म 'सैयारा' ताजी हवा के एक झोंके की तरह आई। दर्शक लंबे समय से पर्दे पर मेलोड्रामा और कोमल भावनाओं की कमी महसूस कर रहे थे। लंबे अर्से बाद सिनेमाघरों में ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने बॉलीवुड के सुनहरे दौर की याद दिला दी। 'सैयारा' की सहज प्रेम कहानी ने सीधे दर्शकों के दिलों को छू लिया।

बदलता रहा प्रेम का रूप: फिल्म इंडस्ट्री के सवा सौ साल के इतिहास में प्रवृत्तियां बदलती रहीं, तकनीक उन्नत होती रही और दर्शकों का मिजाज भी बदलता रहा। लेकिन 'मुगल-ए-आजम', 'देवदास' जैसी फिल्मों से होता हुआ यह रूहानी सफर आज 'सैयारा' तक आते-आते भी उतना ही प्रासंगिक और असरदार बना हुआ है। वक्त चाहे कितना भी बदल जाए, दिल को छूने वाली प्रेम आधारित फिल्में हमेशा दर्शकों की पसंद बनी रहेंगी। *

प्रेम आधारित फिल्मों से स्टार्स डेब्यू

हिंदी सिनेमा ने बार-बार नए चेहरों को लॉन्च करने के लिए प्रेम कहानियों का ही सहारा लिया है। रोमांटिक फिल्मों से करियर की शुरुआत करने वाले सितारों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। 'बॉबी' से ऋषि कपूर और डिंपल कपाड़िया की जोड़ी ने युवाओं को दीवाना बनाया। 'लव स्टोरी' के जरिए कुमार गौरव और विजेता पंडित रातों-रात स्टार बने। 'बेताब' से सनी देओल और अमृता सिंह तथा 'रॉकी' से संजय दत्त और टीना मुनीम ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन और रति अग्निहोत्री, तो 'कयामत से कयामत तक' में आमिर खान ने प्यार को नई परिभाषा दी। 'मैंने प्यार किया' से सलमान खान और भाग्यश्री की मासूमियत दर्शकों के दिलों में बस गई। यही सिलसिला आगे चलकर अजय देवगन-मधुश्री (फूल और कांटे), ऋतिक रोशन-अमीषा पटेल (कहो ना प्यार है), राहुल रॉय-अनु अग्रवाल (आशिकी), शाहिद कपूर-अमृता राव (इश्क-विश्क), दीपिका पादुकोण (ओम शांति ओम), रणवीर सिंह (बैंड बाजा बारात) और आलिया भट्ट-सिद्धार्थ मल्होत्रा व वरुण धवन (स्टूडेंट ऑफ द ईयर) के रूप में जारी रहा।